@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 4 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 362 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'पारंपरिक और गैर-पारंपरिक युद्ध के बीच अंतर तेजी से धुंधला हो रहा'; राजनाथ सिंह क्या बोले

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने की कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की जरूरतें बाहरी निर्भरता के कारण न रुकें।दिल्ली रक्षा संवाद में राजनाथ सिंह ने युद्ध में तकनीक की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में सैन्य तैयारियों को तकनीकी तैयारियों से अलग नहीं किया जा सकता।



राजनाथ सिंह ने कहा, जब हम 2047 को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं, तो रक्षा क्षेत्र में हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि आज पारंपरिक और गैर-पारंपरिक युद्ध के बीच का अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। दिल्ली स्थित मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए) ने इस संवाद का आयोजन किया था। इसमें रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। देश और विदेश के विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा, उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।रक्षा मंत्री ने कहा, आत्मनिर्भरता को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने की कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हर चीज का उत्पादन खुद करें... इसका मतलब यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की हमारी जरूरी जरूरतें बाहरी निर्भरता के कारण किसी के हाथों में बंधक न बनें। उन्होंने आगाह किया कि सहयोग के बिना आत्मनिर्भरता हमारे तकनीकी दायरे को सीमित कर सकती है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता से देश की अपनी क्षमताएं मजबूत होनी चाहिए।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

2 घंटे तक तेज हवाओंझभारी बारिश का अलर्ट; हजारों पेड़-बिजली के पोल गिरे, 30 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर तेलंगाना की ओर चला गया है। हालांकि, इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है। इसके असर से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।



मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मंगलवार सुबह 5:30 बजे तूफान का केंद्र तट पार कर गया।

तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए।

आंध्र प्रदेश के तटीय शहर काकीनाड़ा में भारी बारिश से निचले इलाके डूब गए हैं। सड़कों पर पानी भरा हुआ है।

तूफान के असर से आंध्र प्रदेश के ओंगोल के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में काफी नुकसान हुआ है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। तस्वीरों में सड़कों पर गाड़ियां पलटी हुई दिख रही हैं।

तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है। कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने ये ऑर्डर तब जारी किए जब जिले के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

IMD की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, गहरा दबाव उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और दोपहर तक धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान मुरासु कमजोर पड़ने की संभावना है। इसकी वजह से 48 घंटों में ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

विशाखापत्तनम मौसम विभाग के निदेशक पीएलएन मूर्ति के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु मंगलवार सुबह 3:30 से 5:30 बजे के बीच ओंगोल के पास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया। फिलहाल यह दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट के पास गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मौजूद है।

मणिपुर में 24,475 अवैध प्रवासियों की पहचान

पूर्व सीएम बीरेन सिंह ने मांगा बायोमीट्रिक डाटा

मणिपुर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य सरकार से अवैध प्रवासियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण की ताजा जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य के गृह विभाग को नियमित रूप से यह बताना चाहिए कि अब तक कितने अवैध प्रवासियों का बायोमीट्रिक डाटा जुटाया गया है और कितने लोगों की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति से जुड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और राज्य के लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से संबंधित है। बीरेन सिंह की यह मांग मिजोरम सरकार की ओर से म्यांमार के शरणार्थियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण को लेकर दी गई जानकारी के एक दिन बाद आई है। मिजोरम सरकार ने कथित तौर पर बताया था कि राज्य में शरण लिए म्यांमार के शरणार्थियों का बायोमीट्रिक पंजीकरण अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसका जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने मिजोरम



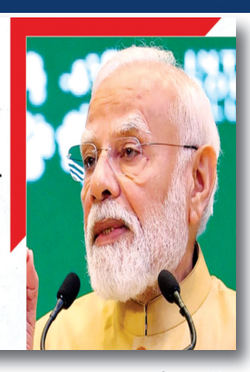
सरकार की निगरानी व्यवस्था का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों की आवाजाही पर नजर रखना और राज्य के हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना महत्वपूर्ण है।बीरेन सिंह ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'यह राजनीति का मामला नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, हमारी सीमाओं की रक्षा और अपने लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से जुड़ा है। मिजोरम सरकार ने अवैध प्रवासियों के प्रवेश पर करीब से नजर रखकर और राज्य के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाकर सतर्कता का महत्व दिखाया है।' उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर के गृह विभाग को भी बायोमीट्रिक डाटा से जुड़ी अद्यतन जानकारी नियमित रूप से जनता के साथ साझा करनी चाहिए।

पुणे को मिली मेट्रो की प्रधानमंत्री मोदी बोले-

पुरानी सरकार रहती तो कई दशक और करना पड़ता इंतजार

पुणे(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की बहुप्रतीक्षित लाइन-3 का उद्घाटन किया। मान-हिंजवडी से शिवाजीनगर तक जाने वाली इस मेट्रो लाइन से पुणे के आईटी हब, प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक इलाकों के बीच आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। हालांकि, यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं चार नवंबर को सुबह छह बजे से शुरू होंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले: पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो

> 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं।



हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज, किसी शहर को दो मुख्य पैमानों पर परखा जाता है, पहला वह शहर कितना प्रतिस्पर्धी है? दूसरा, उसका 'ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स' (जीवन सुगमता सूचकांक) कितना ऊंचा है? मेट्रो परियोजनाएं इन दोनों पैमानों में योगदान देती हैं, जिससे शहर अधिक कार्यकुशल, सुलभ और रहने के लिए बेहतर बनता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का दिन प्रो पीपल, प्रो एक्टिव गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है। हमारे देश में पहली मेट्रो 1984 में चली थी। उसके बाद के 30 साल में सिर्फ 248 किमी मेट्रो लाइन बनी। 2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती, तो पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई और दशक लग जाते।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे शहर केवल रहने की जगह नहीं हैं। ये देश की आर्थिक गतिविधि के बड़े केंद्र भी हैं। हमें देश के सैकड़ों छोटे शहरों को ग्रोथ हब भी बनाना है। इसी विजन के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड की स्वीकृति दी गई थी। इस फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपये की मदद केंद्र सरकार दे रही है।

'न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ा': शरद पवार गुट ने अदालत के आदेश का किया स्वागत

भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम, शहर की महापौर ऋतु तावड़े और अन्य ने एक धर्मनिरपेक्ष त्योहार को सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश की। हाईकोर्ट के फैसले से संविधान में लोगों का भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।



मुंबई(एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने मंगलवार को कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश से देश की न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को अभिनेत्री दीया मिर्जा का दिवाली संदेश वाला वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया है।क्या है पूरा विवाद?बीएमसी की ओर से दीया मिर्जा का वीडियो हटाए जाने को लेकर विवाद हुआ था। इस बीच एनसीपी (एसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सचिव क्लाइड क्रैस्टो ने आरोप लगाया कि भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम, शहर की महापौर ऋतु तावड़े और अन्य लोगों ने सभी की ओर से मनाए जाने वाले एक धर्मनिरपेक्ष त्योहार को सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से संविधान में लोगों का भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।

बीएमसी के पर्यावरण के अनुकूल और पटाखा-मुक्त दिवाली अभियान के लिए दीया मिर्जा ने एक वीडियो बनाया था। इस वीडियो को लेकर हुए विवाद पर हाईकोर्ट ने गहरा दुख और नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने बीएमसी को सोमवार को हटाए गए वीडियो को दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया। कुछ भाजपा नेताओं और महापौर ऋतु तावड़े की आपत्तियों के बाद यह वीडियो हटाया गया था।किसकी आपत्ति के बाद हटाया गया था वीडियो? बीएमसी ने भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम की आपत्ति और महापौर ऋतु तावड़े की टिप्पणियों के बाद वीडियो हटाया था। तावड़े ने दीया मिर्जा को कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' बताया था।

शिवराज सिंह बोले-अखिलेश बाबू फरवरी में निपट जाओगे

मोदी भगवान का वरदान, ऐसे नारे लगाइए कि राहुल कांप जाएं

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी में भाजपा ने मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली। लखनऊ और बरेली में 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। हाथ में भाजपा का झंडा और 'लोकतंत्र बचाओ' लिखे पोस्टर लेकर चले।लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो षडयंत्र रचने लगे हैं। मैं बता दूं कि मोदी देश के मुकुट



मणि हैं। भगवान का वरदान हैं। उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल कांप जाएं। रक्फ़ के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा कि बताइए जरा, जिसका नाम वोटर लिस्ट में 2 जगह है, उसका नाम एक जगह से कटना चाहिए या नहीं।उन्होंने तंज कसते हुए कहा- बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह क्ठऊक्र गठबंधन ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश बाबू फरवरी में आप भी निपट जाओगे। उधर, बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हजारों कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल हुए।

बेटा जेल में, पाकिस्तान से फोन आया-100 डॉलर भेजो

नई दिल्ली(एजेंसी)। मैं पाकिस्तान से बात कर रहा हूं। कंबोडिया की जेल में आपका बेटा बंद है नङ्घ। वहां मेरा बेटा सुल्तान भी बंद है..। सुल्तान का फोन आया था, उसने बताया कि आपके बेटे प्रदीप की तबियत

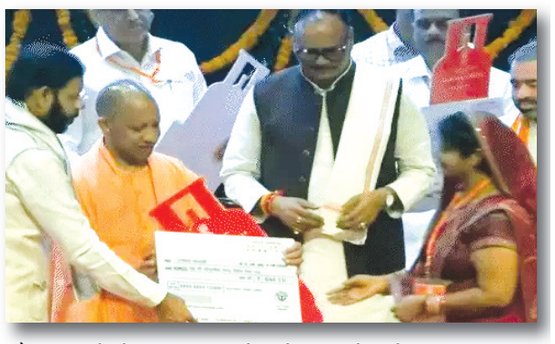


बहुत खराब है। मैं एक नंबर दे रहा हूं, उस पर 100 डॉलर भेज दो। कैदियों को खाना देने वाला आदमी आपके लड़के तक पहुंचा देगा..।अलवर के विजय कुमार वर्मा के पास पाकिस्तान से फोन आया। विजय का बेटा प्रदीप नौकरी के लिए मलेशिया गया था। वहां से एजेंट ने कंबोडिया भेज दिया। साइबर स्कैम करने वाली कंपनी में काम कर रहा था। पुलिस की रेड में पकड़ा गया। 6 महीने से जेल में है। सिर्फ प्रदीप ही नहीं बल्कि भारत के कई राज्यों के लड़के-लड़कियां कंबोडिया की जेल में हैं। केरल के 18, तमिलनाडु के 2 और राजस्थान-यूपी के तमाम लड़के-लड़कियां इसमें शामिल हैं। कुल कितने भारतीय बंद हैं, इसकी सटीक जानकारी सरकार के पास भी नहीं है। नौकरी के लिए जाने वाले लड़केझलड़कियां कैसे जेल पहुंच रहे हैं, वहां क्या हो रहा है,प्रदीप 30 जून, 2025 को नौकरी के लिए मलेशिया गया था।

योगी ने 1.89 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर दिया

बोले- एजेंसी जाइए, कोई पैसा नहीं मांगेगा, 650 रुपए बच गए, उनसे मिठाई खाइएगा

लखनऊ(एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को उज्ज्वला योजना की 1.89 करोड़ महिला लाभार्थियों को दिवाली का तोहफा दिया। लोकभवन में मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर बांटा। सीएम ने कहा- बाजार में एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 983.45 रुपए है। इसमें से मोदी सरकार 335.40 रुपए की सब्सिडी पहले ही देती है। आम तौर पर उपभोक्ता को जेब से 648.55 रुपये खर्च करने पड़ते हैं।योगी ने कहा, 'दीपावली और होली पर हमने वादा किया था कि हम बहनों को मुफ्त सिलेंडर देंगे। दीपावली पर आपके 648.55 रुपए का भुगतान राज्य सरकार ने सीधे गैस कंपनियों को कर दिया है। अब आपको खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसी जाना है, वहां कोई भी आपसे एक रुपया नहीं मांगेगा।सीएम ने कहा- 650 रुपये अब महिलाओं की जेब में बचेंगे, उससे वे अपने बच्चों के लिए दीपावली की मिठाइयां, घर के लिए दीये और पूजा का सामान खुशी-खुशी खरीद सकती हैं।पूर्ववर्ती सरकारों (खासकर कांग्रेस कार्यकाल) पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा- 2014 से पहले देश में रसोई गैस का एक कनेक्शन पाना किसी पहाड़ खोदने जैसा काम था। एक कनेक्शन के लिए लोग 25,000 से 50,000 रुपए तक ब्लैक में देने को मजबूर थे। नेताओं



और अफसरों के चक्कर काटने पड़ते थे। 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी के बलिया जिले से ही 'उज्ज्वला योजना' की शुरूआत की थी। मोदीजी ने माताओं-बहनों के चूल्हे के धुएं से होने वाले आंसुओं को देखा और तय किया कि हर गरीब घर तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचेगा। आज उसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश के करोड़ों घरों में धुआंमुक्त रसोई है।'वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट गवाह, 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए'सीएम योगी ने हाल ही में आई वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- 2014 के पहले देश में आए दिन कॉमनवेल्थ घोटाला, 2ङ्क घोटाला और कोल घोटाला सुनने को मिलता था। नौजवान बेरोजगार थे, किसान परेशान थे और गरीब भूख से तंग आ चुके थे। लेकिन 2014 के बाद देश में सुशासन आया। वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 46 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे (BPL) से उबरकर एक सामान्य और खुशहाल जिंदगी जीने में सक्षम हुए हैं।यूपी की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले और आज के माहौल की तुलना की-1. सुरक्षा का माहौलः सीएम ने कहा कि 2017 से पहले त्योहारों के आते ही उपद्रव, दंगे और कर्फ्यू का डर सताने लगता था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं और व्यापारी खौफ में रहते थे। बाजार सुनसान हो जाते थे। 2. आज की तस्वीरः आज दीपावली के बाजार पूरी तरह गुलजार हैं। सीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'आज अगर कोई राह चलती बेटी या बहन को छेड़ेगा, तो उसे पता है कि उसका रास्ता सीधे जहन्नुम की तरफ जाता है। अब न दंगा होगा, न कर्फ्यू लगेगा।'

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए

नेपाल (एजेंसी)। एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरूआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।

हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं। नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं।नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था। दोनों अलग-अलग दिशाओं से एक ही जगह उतरने की कोशिश कर रहे थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हेलीपैड पर बर्फ जमी होने के कारण भी यह स्थिति बनी



हो सकती है। हालांकि, हादसे की असली वजह की पुष्टि नहीं हुई है। शैलेश को प्रभु हेलिकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू कर काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक पर्यटक का शव लुकला के अस्पताल ले जाया गया। दोनों हेलिकॉप्टरों के पायलटों की चोटों को लेकर शुरूआती रिपोर्टों में अलग-अलग जानकारी सामने आई है। फेरीचे एवरेस्ट क्षेत्र में स्थित है। यहां आने-जाने के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। हादसे के समय दोनों हेलिकॉप्टरों में कुल कितने लोग सवार थे, यह अभी साफ नहीं है। टक्कर की वजह की भी जांच की जा रही है।फेरीचे हेलीपैड समुद्र तल से करीब 4,371 मीटर (14,340 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। यह नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में हेलिकॉप्टर सर्विस का सेंटर है।

यहां से पर्वतारोहियों और ट्रेकिंग पर आने वाले पर्यटकों को मदद पहुंचाई जाती है। खासतौर पर ऊंचाई के कारण तबीयत बिगड़ने, सांस लेने में परेशानी होने या किसी दुर्घटना में घायल होने पर लोगों को हेलिकॉप्टर से निचले इलाकों या अस्पतालों तक पहुंचाया जाता है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर को बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था।

प्रदूषण फैलाने व नियमों का उल्लंघन करने पर निगम ने 1600 चालान काटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के बाद ग्रेप-2 लागू हो चुका है। इसके मद्देनजर निगम प्रशासन ने प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ बीते दो दिनों में 1600 से अधिक चालान काटे हैं। इसके तहत निगम ने सोमवार को सुबह और रात के समय निगरानी व जांच करते हुए 798 चालान काटे और मंगलवार को सुबह से लेकर दोपहर तक 800 से अधिक चालान काटे। निगम अधिकारियों ने बताया कि निगम के सभी बारह जोन में एक हजार से अधिक सिविल डिफेंस वॉलिंटियरों की तैनाती की गई है। यह लगातार निगरानी करते हुए सभी जोन में नजर रखे रहे हैं। इसके तहत निगम प्रशासन ने तीन सौ से अधिक टीमों का भी गठन किया गया। निगम प्रशासन द्वारा ग्रेप-2 की पाबंदियों व नियमों और एनजीटी के दिशा-निर्देशों के मद्देनजर प्रदूषण फैलाने वाले उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर दो हजार, पांच हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक के चालान काट रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार अपशिष्ट व बायोमास को खुले में जलाने, सार्वजनिक स्थानों पर अपशिष्ट व बायोमास जलाने पर, निर्माणाधीन सामग्री को अव्यवस्थित तरीके से सड़क किनारे व सार्वजनिक स्थानों पर फैलाने व नियमों का उल्लंघन करने, निर्माणाधीन सामग्री को नियमों के मद्देनजर न ढकने जैसे नियमों व ग्रेप-2 की पाबंदियों के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीमों ने मंगलवार को मध्य जोन में 173 मध्य उत्तरी जोन में 109, उत्तर पश्चिमी जोन में 199, दक्षिण पश्चिमी जोन में 116 और दक्षिण पूर्वी जोन में 194 चालान कार्रवाई कर काटे हैं।

ऐप आधारित बसों का किराया महंगा, सुविधाएं कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मोबाइल ऐप आधारित बसों में महंगा किराया देने के बावजूद सुविधाएं कम है। सीट बुकिंग करने के बाद अगर बोर्डिंग लोकेशन अलग है तो दिक्कतें और बढ़ जाती है। यात्रियों का कहना है कि बसों की लाइव लोकेशन न मिल पाने के कारण अक्सर पिकअप प्वाइंट पर लंबा इंतजार करना पड़ता है। लंबी दूरी की इन बसों का सफर अक्सर रात का होता है, ऐसे में रात को पिक अप प्वाइंट पर इंतजार करना और मुश्किल और चुनौती भरा हो जाता है। दिवाली और छठ मनाने के लिए दिल्ली में रह रहे यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल, बिहार के प्रवासी लोग अब गांव लौट रहे हैं। ट्रेनों में कंफर्म टिकट न मिलने के कारण ऐप आधारित बसों के संचालकों की चांदी हो रही है। आनंद विहार, कश्मीरी गेट, सराय काले खां और दिल्ली के अन्य अलग-अलग इलाकों से सफर शुरू करने वाली इन बसों में सीटें तो ऑनलाइन बुक हो जाती हैं, लेकिन दिल्ली के बाहरी इलाकों में रहने वाले यात्री रोहणी, पश्चिम विहार, द्वारका से सफर शुरू करते हैं। ऐप आधारित लग्जरी बस से हल्द्वानी जाने के लिए आनंद विहार पहुंचे यात्री शिवांश ने बताया कि पहले उन्होंने गाजियाबाद से पिकअप प्वाइंट तय किया था, लेकिन कोई समस्या न हो इसके चलते बाद में आनंद विहार से ही बस में सवार होने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि जहां ट्रेन से स्लीपर श्रेणी का किराया महज 250 रुपये और थर्ड एसी बर्थ का किराया करीब 550 रुपये है, वहीं एसी बस में 1000 रुपये में सीट मिली है। वहीं, बस मैनेजर ने बताया कि दिल्ली से हल्द्वानी तक अगर शेयरिंग स्लीपर सीट बुक करेंगे तो 900 रुपये और अलग बर्थ बुक करने पर 1000 रुपये किराया देना होगा।

रिफंड मिलने में भी हो रही दिक्कत- यात्रियों ने बताया कि ऐप आधारित बसों में सीट बुक कराने के बाद अगर कैंसल करानी पड़ी तो फिर रिफंड मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली की प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने वाली आकांक्षा ने बताया कि त्योहारों पर घर आगरा जाने के लिए उन्होंने पहले एसी बस से एक नवंबर के लिए सीट बुक कराई थी, लेकिन छुट्टी नहीं मिल पाने के कारण बुकिंग दो दिन पहले निरस्त करनी पड़ी। 50 फीसदी किराया रिफंड मिलना था, लेकिन अभी तक नहीं मिल पाया। वहीं, अब दोगुना किराए पर दोबारा सीट बुक करनी पड़ी।

दिल्ली दंगा : मस्जिद में तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में पांच आरोपी बरी

-कोर्ट ने पुलिस के गवाहों के बयानों को भरोसेमंद नहीं माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के दौरान करावल नगर की एक मस्जिद में तोड़फोड़ और आग लगाने के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने पांच आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि पुलिस के गवाहों के बयानों में काफी अंतर था और वे भरोसेमंद नहीं पाए गए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने अपने आदेश में अंकित, सौरभ शर्मा, रोहित, राहुल कुमार और सचिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया। इन पांचों पर दंगे के दौरान गैरकानूनी तरीके से भीड़ जुटाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, तोड़फोड़ और आगजनी करने के आरोप थे। यह मामला करावल नगर स्थित अल्लाह वाली मस्जिद से जुड़ा था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि 25 फरवरी 2020 को दंगों के दौरान भीड़ ने मस्जिद में तोड़फोड़ कर आग लगा दी थी। पुलिस के दो गवाहों ने दावा किया था कि उन्होंने सुबह करीब 11 बजे घटना होते देखी थी। वहीं, मस्जिद के सामने रहने वाले एक स्वतंत्र गवाह ने अदालत को बताया कि मस्जिद में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना केवल एक बार रात करीब 8:15 बजे हुई थी। उसने यह भी बताया कि घटना के बाद वह चार दिन तक घर से बाहर नहीं निकला था। अदालत ने पुलिसकर्मियों और स्वतंत्र गवाह के बयानों में अंतर को महत्वपूर्ण माना। पुलिसकर्मियों ने उस दिन इलाके के दूसरे दंगा प्रभावित स्थानों पर अपनी मौजूदगी को लेकर भी अलग-अलग बयान दिए थे।

सीसीटीवी फुटेज को भी नहीं माना सबूत- अदालत ने अभियोजन पक्ष की ओर से पेश की गई सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की डीवीडी और हार्ड डिस्क को भी सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया। कोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को सबूत के रूप में पेश करने के लिए भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65बी के तहत जरूरी प्रमाणपत्र और शर्तें पूरी नहीं की गई थीं। हार्ड डिस्क के साथ दिए गए प्रमाणपत्र में उस कंप्यूटर सिस्टम की जानकारी नहीं थी, जिसके जरिये डेटा स्थानांतरित किया गया था। साथ ही, प्रमाणपत्र जारी करने वाले व्यक्ति का संबंधित डेटा पर नियंत्रण भी नहीं था।

महिला सशक्तीकरण पर विचार रखेंगे विद्यार्थी

-सीबीएसई पांच नवंबर से शुरू करने जा रहा है अभिव्यक्ति शृंखला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों में तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थी महिला सशक्तीकरण पर अपने विचार रखते हुए नजर आएंगे। बेटियों को शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए सीबीएसई महिला सशक्तिकरण- शिक्षित बने, सक्षम बने थीम पर एक अभिव्यक्ति शृंखला आयोजित करने जा रहा है। इसका आयोजन स्कूल व राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। इसके तहत विद्यार्थियों को निबंध और कविता के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देशित किया है कि वे स्कूल स्तर पर यह गतिविधियां पांच नवंबर से 17 नवंबर तक आयोजित करें। विद्यार्थियों को हिंदी या अंग्रेजी भाषा में अनुच्छेद, निबंध अथवा कविता के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे। प्रतियोगिता को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थी 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखेंगे। छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को 400 शब्दों में निबंध या कविता लिखनी होगी। नौवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 700 शब्दों में निबंध या कविता लिखनी होगी। जबकि ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए 1000 शब्दों का निबंध या कविता निर्धारित की गई है। विद्यालय स्तर पर प्राप्त एंट्री का मूल्यांकन करने के बाद प्रत्येक श्रेणी से एक श्रेष्ठ एंट्री का चयन किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक विद्यालय अधिकतम चार एंट्री सीबीएसई को भेज सकेगा। स्कूलों को चयनित एंट्री को 18 से 25 नवंबर तक सीबीएसई के एक्सप्रेशन सीरीज पोर्टल पर अपलोड करना होगा। बोर्ड के अनुसार, प्रत्येक क्षेत्र से हर श्रेणी की 10 सर्वश्रेष्ठ एंट्री का चयन राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं के चयन के लिए किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को ऑनलाइन मेरिट प्रमाणपत्र दिया जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि नकल या साहित्यिक चोरी वाली एंट्री स्वीकार नहीं की जाएंगी।

मोरी गेट से सात हजार किलो खोया जब्त कर नष्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के मौके पर मिठाई बेचने के लिए तैयार किए गए मिलावटी और अस्वच्छ खोये की बड़ी खेप को खाद्य सुरक्षा विभाग ने जब्त कर नष्ट किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को मोरी गेट स्थित खोया मंडी में सुबह छापेमारी की। इस दौरान लगभग 7,000 किलो अस्वच्छ और दुर्गंधयुक्त खोया जब्त कर उसे नष्ट किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पूरी कार्रवाई का निरीक्षण किया। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग मोरी गेट स्थित खोया मंडी में लगातार छापेमारी कर रही है, क्योंकि बड़ी मात्रा में खोया यहां से दुकानदारों को बेचा जाता है। इस त्योहारी सीजन में चौथी बार मोरी गेट स्थित खोया मंडी में विभाग ने छापेमारी की।

दिल्ली को मेडिकल हब बनाने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों को आगे आना चाहिए : सीएम गुप्ता



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को मेडिकल हब में बदलने के लिए सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज की सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में आईवीएफ केंद्र का उद्घाटन करने के बाद ये बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि राष्ट्रीय राजधानी आने वाले किसी भी व्यक्ति को उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।
गुप्ता ने कहा कि अगर हम सच में दिल्ली को एक मेडिकल हब बनाना चाहते हैं, तो सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों को आगे आना होगा। डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुसार, हर 1,000 लोगों पर कम से कम पांच मेडिकल बेड होने चाहिए। हमारा देश अभी भी इस मानक से पीछे है, और मुझे लगता है कि दिल्ली में अभी हर 1,000 लोगों पर लगभग दो बेड उपलब्ध हैं।
उन्होंने कहा कि हर 1,000 लोगों पर पांच बेड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों क्षेत्रों को मिलकर प्रयास करने होंगे। इस संख्या को पांच बेड तक पहुंचाने के लिए, दोनों क्षेत्रों को एक साथ काम करने की जरूरत है। अगर कोई दिल्ली आता है, तो उसे उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। यह प्रधानमंत्री का सपना है और दिल्ली सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।
राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निजी अस्पताल के योगदान की तारीफ करते हुए, गुप्ता ने कहा कि इस संस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में लाखों लोगों की सेवा की है और अनगिनत जानें बचाई हैं।
उन्होंने कहा कि इस सफर की शुरुआत 1937 में हुई थी, और 1977 में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल हुआ, जब आपने इस अस्पताल की स्थापना की। इन वर्षों में, आपने लाखों लोगों की सेवा की है, अनगिनत जानें बचाई हैं और पीड़ितों को राहत पहुंचाई है।
कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पताल के योगदान को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में भी अस्पताल के डॉक्टरों, कर्मचारियों और प्रबंधन ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया।
गुप्ता ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी, संत परमानंद अस्पताल के किसी भी डॉक्टर, कर्मचारी या प्रबंधन के सदस्य ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा। सभी ने दिल्ली के लोगों की सेवा करना जारी रखा। मैं दिल्ली की जनता की ओर से आप सभी को बधाई देती हूं।
उन्होंने अस्पताल की इस बात के लिए भी सराहना की कि वह यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी मरीज को इलाज से इसलिए वंचित न रहना पड़े क्योंकि वह इसका खर्च नहीं उठा सकता। मुझे लगता है कि यह अस्पताल सच में अपने नाम पर खरा उतरता है। आप हमेशा दिल्ली के लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहते हैं, और किसी भी मरीज को सिर्फ इसलिए वापस नहीं भेजा जाता कि वह इलाज का खर्च नहीं उठा सकता। इस प्रतिबद्धता के लिए मैं आपको बधाई देती हूं।
मुख्यमंत्री ने इस बात पर फिर जोर दिया कि दिल्ली में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और इलाज तक लोगों की पहुंच बेहतर बनाने के लिए, स्वास्थ्य संस्थानों और सरकार के बीच लगातार सहयोग बना रहना जरूरी है।

दिल्ली में हवा साफ हुई, पंजाब की पराली पैदा कर रही संकट: मनजिंदर सिंह सिरसा



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेताओं की आलोचना की। उन्होंने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की राजनीति झूठ और धोखे पर आधारित है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं और दिल्ली के प्रदूषण को लेकर भी पंजाब सरकार को घेरा।
दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रेसवार्ता कर कहा कि आजादी के 75 वर्षों के दौरान पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पद पर किसी गैर-पंजाबी, गैर-आईएएस अधिकारी या तकनीकी विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं की गई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली से अपने एक राजनीतिक प्रवक्ता को लाकर इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त कर दिया।
उन्होंने कहा कि नियुक्त किए गए व्यक्ति का अरविंद केजरीवाल से करीबी पारिवारिक संबंध है। सिरसा ने इस नियुक्ति को लेकर आम आदमी पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।
प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार भी बताए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पिछले एक वर्ष में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस साल दिल्ली में 220 दिन साफ हवा दर्ज की गई, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है।
उन्होंने अक्टूबर 2026 को पिछले दस वर्षों का सबसे स्वच्छ अक्टूबर बताते हुए कहा कि इस साल का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक भी पिछले दशक में सबसे कम रहा है। उनके अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में इसमें करीब 10 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है।
सिरसा ने पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में पराली जलाने की 1,000 से अधिक घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर आग लगाए जाने के दौरान पंजाब पुलिस के जवान मौजूद थे और पुलिस तथा सरकारी अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।
दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से हाथ जोड़कर दिल्ली के हित में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली की स्थिति खराब हुई, लेकिन अब शहर को फिर से स्वच्छ और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार कम हो रहा है और सरकार सुशासन के जरिए लोगों को बेहतर जीवन देने की दिशा में काम कर रही है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर कांग्रेस का हमला, बोली-जिम्मेदारी से नहीं बच सकती भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किए जाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली की भाजपा सरकार को घेरते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता उदित राज और कांग्रेस सचिव अभिषेक दत्त ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में विफल रही है और अब अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। कांग्रेस नेता उदित राज ने भाजपा पर निशाना साधते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली में फैली जहरीली गैस और प्रदूषण को सोखने के लिए कोई कंटेनर होता, तो उसे भाजपा नेताओं के घरों में भर देना चाहिए या सीधे उनकी नाक में ठूंस देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के पास दिल्ली की सत्ता नहीं थी, तब उसके नेता प्रदूषण को लेकर खूब हंगामा करते थे और तत्कालीन राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते थे। उदित राज ने कहा कि आज दिल्ली में उपराज्यपाल, नगर निगम, विधानसभा और केंद्र सरकार पर भाजपा का नियंत्रण है। ऐसे में अब पार्टी प्रदूषण के लिए किसे जिम्मेदार ठहराएगी? उन्होंने कहा कि भाजपा को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और प्रदूषण की समस्या का समाधान करना चाहिए। कांग्रेस सचिव अभिषेक दत्त ने भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तब से उसके पास अपनी विफलताओं के लिए कोई बहाना नहीं बचा है। इसके बावजूद सरकार ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं। उन्होंने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू होने को सरकार की नाकामी का संकेत बताया। अभिषेक दत्त ने कहा कि न्यायालय भी प्रदूषण के कारण लोगों के बीमार पड़ने और मौतों को लेकर चिंता जता चुका है। इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार को गंभीरता से काम करना चाहिए। अभिषेक दत्त ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के कारण गरीब मजदूरों और खासकर निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिकों की आजीविका पर पड़ने वाले असर को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया कि निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगने से मजदूर अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करेंगे। उन्होंने ग्रीन पटाखों के नाम पर पटाखों की बिक्री शुरू किए जाने पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को सुझाव दिया कि दिल्ली के सभी 13 जिलों के डिप्टी कमिश्नरों के माध्यम से पटाखों की बिक्री की व्यवस्था की जानी चाहिए।

तकनीक का मूल्य जीवन बेहतर बनाने में करें: संधू

-आईआईआईटी दिल्ली के 15 वें दीक्षांत समारोह को उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने किया संबोधित



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने मंगलवार को आईआईआईटी दिल्ली के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों का वास्तविक मूल्य लोगों का जीवन बेहतर बनाने में है। यह समारोह जीवन के एक चरण के पूरा होने और दूसरे की शुरुआत का प्रतीक है।
उपराज्यपाल संधू ने छात्रों से अर्जित ज्ञान को व्यापक दुनिया में सार्थक रूप देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में निरंतर सीखना और ढलना सबसे बड़ी ताकत होगी। ईमानदारी और नैतिकता बनाए रखना भी जरूरी है। महत्वाकांक्षा का वास्तविक अर्थ तब बढ़ता है, जब वह किसी बड़े उद्देश्य से जुड़ती है। इस समारोह में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने छात्रों को बदलाव से घबराने के बजाए उसमें अवसर तलाशने की सलाह दी। आईआईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. संदीप सेन ने बताया कि संस्थान छात्रों को मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। उन्हें प्रश्न पूछने, खोज करने और विभिन्न विषयों में समन्वय स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रो. सेन ने बताया कि संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम कर रहा है। एआई के प्रभावों पर विचार के लिए एक समिति भी गठित की गई है।

दूसरे वर्ष से मशीन लर्निंग कोर्स को किया अनिवार्य

संस्थान के शैक्षणिक मामलों के डीन प्रो. सुमित जे.दारक ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों द्वारा अपनी पढ़ाई, परियोजनाओं और शोध में किए प्रयासों का उत्सव है। कहा कि स्नातक की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए दूसरे वर्ष में मशीन लर्निंग कोर्स को अनिवार्य कर दिया है। नैनो चिप के कार्य को लेकर पहला चरण पूरा हो गया है। अब चिप फैब्रिकेशन लगाने का कार्य होना है। हम चाहते है कि जब छात्र संस्थान से जाए तो उनके हाथ में नैनो चिप हो। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी सेंटर के संबंध में 60 फीसदी कार्य पूरा किया जा चुका है। इस मौके पर प्रोफेसर प्रवेश बियानी सहित कई दूसरे अधिकारी मौजूद रहे।

830 छात्रों को दी गई डिग्री

दीक्षांत समारोह में कुल 830 छात्रों को डिग्री दी गई। इसमें 560 बीटेक, 237 एमटेक और 33 पीएचडी डिग्री लेने वाले छात्र थे। शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध योगदान के लिए मेधावी छात्रों को पदक और पुरस्कार दिए गए। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के सौरव मेहरा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई इंजीनियरिंग की रिया सचदेवा को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। एमटेक में प्रतीक पाल को स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार मिला। डिग्री लेने के लिए आने वाले छात्र पारंपरिक वेषभूषा में दिखे। वहीं इस समारोह में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई इंजीनियरिंग प्रोग्राम के छात्रों को बीटेक की डिग्री दी गई।

बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते मौसम में अचानक आए बदलाव से मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। खांसी, जुकाम, वायरल बुखार, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के मरीजों की परेशानी बढ़ रही है। वहीं, डेंगू का संक्रमण भी चिंता का विषय बना हुआ है। पूर्वी दिल्ली के जीटीबी, स्वामी दयानंद, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी और जग प्रवेश चंद्र समेत अन्य अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जीटीबी अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार के अनुसार, तापमान में अचानक गिरावट से शरीर को मौसम के अनुरूप ढलने में परेशानी होती है। इसका असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर अधिक पड़ता है। मधुमेह, ब्लड प्रेशर और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीज विशेष सावधानी बरतें। ठंड और नमी से एलर्जी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या भी बढ़ सकती है। ऐसे मरीज नियमित दवाएं लें और परेशानी बढ़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

डेंगू से बचाव भी जरूरी

बारिश के बाद जमा पानी में मच्छर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों और टंकियों की नियमित सफाई करें। मच्छरों से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

दिल्ली ने राष्ट्रीय जूडो स्कूल गेम्स में दोनों वर्ग जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के युवा जूडोकाओं ने 70वें राष्ट्रीय जूडो स्कूल गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। त्यागराज स्टेडियम में आयोजित अंडर-14 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली की टीम ने बालक और बालिका, दोनों वर्गों में चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। टीम ने कुल नौ पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में देशभर की 33 टीमों ने हिस्सा लिया। दिल्ली की ओर से सात बालक और सात बालिकाओं सहित कुल 14 खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में चुनौती पेश की। बालक वर्ग में दिल्ली ने 14 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली पुलिस के एसीपी को कर्मियों के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के बाद निलंबित किया गया, रोहिणी बार एसोसिएशन ने हड़ताल वापस ली



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने दो अधिकारियों के तबादले को लेकर पुलिस मुख्यालय के बाहर पुलिसकर्मियों द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया था।
यह निलंबन एक विरोध-प्रदर्शन से जुड़े विवाद के बीच हुआ है। इस प्रदर्शन के दौरान, कई पुलिसकर्मी मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए थे और उन्होंने दो अधिकारियों के खिलाफ जारी किए गए तबादले के आदेशों को रद्द करने की मांग की थी।
पुलिस के एक सूत्र के अनुसार, इस घटना में शामिल होने के कारण एसीपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। हालांकि, सूत्र ने बताया कि निलंबन की परिस्थितियों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी मिलनी बाकी है।
खबर लिखे जाने तक, दिल्ली पुलिस ने निलंबन को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया था।
इस बीच, एसीपी के निलंबन की खबर आने के बाद, रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन ने अपना विरोध-प्रदर्शन वापस लेने और न्यायिक कार्यों से दूर रहने के अपने फैसले को रद्द करने का निर्णय लिया है।
एसोसिएशन ने पहले घोषणा की थी कि पुलिस के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रमों के चलते, उसके सदस्य 3 नवंबर को काम से दूर रहेंगे।
रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन ने बयान में कहा कि 3 नवंबर 2026 को काम से दूर रहने के अपने पिछले नोटिस के संदर्भ में, हम सूचित करना चाहते हैं कि एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत, सक्षम अधिकारियों ने एसीपी मनस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया है। इस घटनाक्रम और पुलिस प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई को देखते हुए, रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारी समिति ने विरोध-प्रदर्शन को खत्म करने और काम से दूर रहने के अपने फैसले को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्णय लिया है।
एसोसिएशन ने अपने सभी सदस्यों से नियमित काम पर लौटने और यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि न्यायिक कार्य और अदालती कार्यवाही बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चलती रहे।
बयान में आगे कहा गया कि हम फिर दोहराते हैं कि एसोसिएशन अपने सदस्यों की गरिमा, आत्म-सम्मान और कल्याण के लिए मजबूती से खड़ी रहेगी। जहां भी समुदाय के हितों को नुकसान पहुंचाया जाएगा, वहां हम हमेशा जवाबदेही तय करने और उचित कार्रवाई की मांग करेंगे।
वकीलों और दिल्ली पुलिस के बीच तनाव की शुरुआत 23 अक्टूबर को शाहदरा पुलिस स्टेशन में हुई एक घटना से हुई, जहां कथित तौर पर हुए हमले में ललित बंसल नाम के एक वकील के सिर पर गंभीर चोटें आईं।
वकीलों का आरोप है कि जब वे मामले की जांच के तरीके पर सवाल पूछने शाहदरा पुलिस स्टेशन गए, तो एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने रिवॉल्वर निकालकर उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की।
'ऑल दिल्ली बार एसोसिएशन' की समन्वय समिति ने पुलिस अधिकारी के इस बर्ताव का विरोध किया और काम से दूर रहने की घोषणा की थी।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

एमएसएमई से बनेगा देश सोने की चिड़िया, अर्थव्यवस्था को गति देने में युवा निभाएं भूमिका

आगरा। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो एमएसएमई का महत्व समझना होगा। युवा अब नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। कुछ ऐसी ही विचार शनिवार को अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव आगरा में सामने आए। कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पॉलीवाल कैंपस स्थित जुबली सभागार में किया गया। रोजगार सृजन और एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मंथन किया गया। एमएसएमई, केंद्र व राज्य वस्तु एवं सेवाकर, जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कॉन्क्लेव का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि नौ साल की उम्र में पहला पहला राजनीतिक भाषण चौधरी चरण सिंह का सुना था। देश की आत्मा गांव में रहती है। दूसरी पीढ़ी में उनके बेटे को उद्योगपति बनाया गया। तीसरी पीढ़ी वाला एमएसएमई में मंत्री है। स्किल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब से आया हूं। हर दूसरा बच्चा कनाडा जाना चाहता है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म भी आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि खेती की एक सीमा है और उत्पादन की एक सीमा है। जींस पहनने वाली पीढ़ी अब हल नहीं चला रही। एमएसएमई की संभावना क्यों जरूरी है, इस ओर क्यों आना पड़ेगा? इसका कारण बताते हुए कहा कि अब जमीन भाइयों में बंटकर छोटी हो गई है। जमीन अब बढ़ नहीं सकती है। ऐसे में एमएसएमई का महत्व समझना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या ये है कि हमने सरकारी नौकरी को ही रोजगार मान लिया। बच्चे कभी एमएसएमई नहीं गए। इतनी योजनाएं है कि उनके नाम राजनेताओं को भी नहीं मालूम। उन्होंने कहा कि विदेशियों की किताबें क्यों पढ़ते हो। हमारे पास तो रियल हीरो हैं, जिनकी सफलता की कहानियां पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ा परिवर्तन आ सकता है तो व्यापार से आ सकता है। प्रो. बघेल ने कहा कि टीटीजेड सिर्फ आगरा के लिए है। एनजीटी ने नुकसान किया है, लेकिन हम पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के कारोबारी सजग हैं, जो जन प्रतिनिधियों से अर्जी लगाते रहते हैं। उन्होंने आजादी के बाद हुए कुछ सबसे बड़े काम भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में नल, नल में जल, आयुष्मान कार्ड, गैर-राजपत्रित नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त करना सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि एमएसएमई से ही हमारा देश सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में हम हजारों साल टॉप पर रहे। गांव-गांव में कुछ न कुछ बनता था। व्यापारी इनको इकट्ठा कर विदेश ले जाते थे। इसके बदले में सोना आता था। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह कभी खुद को कमजोर न समझें। कॅरियर के लिए बहुत सारी फील्ड हैं। वह किसी भी फील्ड को चुन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि अब देश बदल रहा है। वर्ष 2014 के बाद से देश में संपन्नता की स्थिति बनी है। देश और राज्य में कारोबार करने का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपने दिमाग में नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठाते हुए नौकरी देने वाले बनें। ये लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि जब एमएसएमई की स्थापना हुई, लेकिन उस वक्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद इस पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही विजन है कि एमएसएमई के जरिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा दे सकते हैं। आज देश में एमएसएमई की पहचान बन चुकी है। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हम एक अलग तरीके से प्रमोट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश है, इस तरह प्रमोट करने का कई राज्यों में प्रयास किया गया।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे।



गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

नशे के रुपयों के लिए युवक की चाकू घोंपकर हत्या

दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के कमल विहार, बुराड़ी इलाके में बुधवार रात नाबालिगों ने एक युवक की चाकू से वारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान पंकज (22) के रूप में हुई है। जांच के दौरान पुलिस को मृतक का आपराधिक रिकॉर्ड मिला है। वह बुरी संगत में पड़ने के बाद लूटपाट जैसी वारदात में शामिल था। पुलिस ने मामले में तीन नाबालिगों को पकड़ा है। आरोपियों में एक अशिक्षित है जबकि एक आठवीं व दूसरा 11वीं कक्षा का छात्र है। नाबालिगों ने खुलासा किया है कि उनका पंकज से दो-तीन दिन पहले नशे के रुपयों को लेकर झगड़ा हुआ था। इस विवाद की वजह से इन लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि बुधवार रात बुराड़ी थाने में एक युवक को चाकू मारने की खबर मिली। कॉलर ने बताया कि कमल विहार में चार लड़कों ने एक युवक को चाकू मारा है। पुलिस तुरंत नाला रोड गली नंबर 10, वेस्ट कमल विहार के पास पहुंची। पुलिस को घटना स्थल से एक चाकू बरामद हुआ। जांच के दौरान पता चला कि पंकज परिवार के साथ कमल विहार में रहता था। वह शादी समारोह में वेटर का काम करता था। मृतक के भाई सूरज ने पुलिस को बताया कि कालोनी के पकड़ा है। आरोपियों में एक अशिक्षित है जबकि एक आठवीं व दूसरा 11वीं कक्षा का छात्र है। नाबालिगों ने खुलासा किया है कि उनका पंकज से दो-तीन दिन पहले नशे के रुपयों को लेकर झगड़ा हुआ था। इस विवाद की वजह से इन लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि बुधवार रात बुराड़ी थाने में एक युवक को चाकू मारने की खबर मिली। कॉलर ने बताया कि कमल विहार में चार लड़कों ने एक युवक को चाकू मारा है। पुलिस तुरंत नाला रोड गली नंबर 10, वेस्ट कमल विहार लड़कों ने उसे बताया कि नाले के पास कुछ लड़कों ने उसके भाई को चाकू मारा है। आरोपी पंकज के जानकार थे। पुलिस ने बाद में सभी आरोपियों को दबोच लिया। नशे के पैसों को लेकर विवाद होने पर आरोपियों ने उसकी हत्या की।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई।

पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्महत्या का मामला समझकर 17 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम करवाया।

NAME CHANGE
I, RAMESH S/o CHHOTE LAL R/o. WZ – 145, F.F, NEAR MALHOTRA BAKERY, NEEEMRI VILLAGE, SHASTRI NAGAR, DELHI - 110052 have changed my name to RAMESH BABU for all future purpose.

NAME CHANGE
I, LALIT KUMAR S/O DHARAMPAL SINGH R/O TEHSIL JEWAR THORA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-203155, have changed the name of my minor Son UTKARSH aged 08 years and he shall hereafter be known as SPRASH CHHONKER.

NAME CHANGE
I JENAB KHANAM W/0 RASHID JAMAL R/0 H.NO 13 WARD NO 4 MOHALLA SAIFIYAN DASNA GHAZIABAD U.P CHANGED MY NAME TO JAINUB JAMAL

NAME CHANGE
I MOHAMMAD MURSALEEN S/0 SAGIRUDDIN R/0 H.NO 13 WARD NO 4 MOHALLA SAIFIYAN DASNA GHAZIABAD U.P CHANGED MY NAME TO MURSALEEN

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Neelu Maheshwari W/o Late Mr. Manjul Maheshwari is the owner of Freehold Residential Built-up Property bearing No. G-108-A, area measuring area 50 Sq. Yds., out of Khasra No.171, Situated in the Revenue Estate of Village Bindapur, Delhi State Delhi, area abadi known as Colony Nand Ram Park, Block-G, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA, ATS, WILL dated 01.09.2025., in the chain document below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Manjul Maheshwari S/o Mr. Ramanand Khasat died on 23.06.2026 & Original and Copy of Notarized Will dated 03.02.1984, executed by Mr. Kishan Singh S/o Mr. Sis Ram in favour of Mr. Ram Dass S/o Mr. Toda Singh ., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Same Property sold to be Mrs. Manju Gupta W/o Mr. Raj Kishore Gupta and same has been financed by UMMEED HOUSING FINANCE PVT. LTD, Branch: Janakpuri New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, hitherto known Mohammad Seub alias, MD SEUB S/o Shaikh diljan R/O No. 185, Block-F, Inder Enclave Phase-2, VTC: Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Block, District: North West Delhi – 110086, have changed my name and shall hereafter be known as "Mohammad Seub.

NAME CHANGE
I, Vikas Kumar, S/O Umed Singh, R/O Ho No 1254 A Gali No 4, Shastri Colony, Sonipat, Haryana- 131001 have changed my name to Vikash Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I RESHMA W/o MOHAMMAD SALEEM R/o Flat No.406, Khasra No.107, Chipyana Distt.-Gautam Budh Nagar, U.P.- 201009, have changed the name of my minor son MOHAMMAD NAAZ SALEEM aged 11 and he shall hereafter be known as MOHAMMAD MAAZ SALEEM.

NAME CHANGE
I Yunus S/o Imamudin R/o H.no 1652, Gali no 17b, Near Naya Gaon, Krishna Kunj, Bhondsi, Gurugram, Haryana, 122102. Have changed my name to Yunus Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I km Nipurn Verma W/O Rajendra Kumar R/O C- 65 Ground Floor, Prem Kutir, sector - 9, Rohini , North West Delhi, Delhi - 110085, I Have Changed My Name to Nipurn jain

NAME CHANGE
I Parveen Bano W/O Mo Shaheed R/O Jagannath Ganj, Semari , PO: Semari, DIST: Rae Bareli, Uttar Pradesh - 229211, Have Changed my minor Daughter Name from Nikhat to Nikhat Bano

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that Mr.Rahul & Mr.Gaurav both s/o Mr. Ved Prakash both are the owner of Residential Plot area measuring 150 Sq.yds.,out of Khasra No.165,situated at Village-Ilhabans,Tehsil-Dadri, District-Gautam Budh Nagar,(U.P), vide Sale Deed dt.25.11.2014, Doc.No.4926,executed by Mr.Ved Prakash s/o Mr.Kali Ram,SR-III,Noida. And in the property chain Original Sale Deed dt.24.03.2000,doc.No. 1002 was lost and FIR has been lodged vide LR No: 771153/2026, on dt.03.11.2026. And now said property is being financed by AU Small Finance Bank Ltd. if anybody has any charge/title/family or third party interest in the said property any kind of dispute,kindly inform the undersigned in written with proof within the 7 days of this publication on the below mentioned address,failing which I am aware that in case default with the mortgage property,that all borrowers/owners are responsible for the same.
JBMR Law Associates.
(Advocates & Solicitors)
Shop no. 15, Lal Kuan, near Shiv Mandir, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, No- 14655998W, Rank- HAV, Name- SAYED MAHABOOB VALI, Unit- HQ 21 MC GROUP, residing at VILL-RAJASAHEB PETA, PO-TEKURUPETA, MANDAL-PORUMAMILLA, TEHSIL-BADVEL, DIST-CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516505, have changed my wife's name from ASIYA BEGAM to SYED ASIYA BEGUM for all future purposes, vide Affidavit dated 03/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GULSHAN KUMAR S/o Sarup Kumar Arora R/o 105, Gali No.9, West Guru Nagad Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to GULSHAN KUMAR ARORA permanently.

NAME CHANGE
I, No-14660387L, Rank-NK, Name-RAJENDER legally father of MOHANI, residing at H No- 44, VPO-NUNHAD, TEHSIL-MEHGAON, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477660, have changed my minor daughter's name from MOHANI to MOHINI for all future purposes, vide Affidavit dated 23/10/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHD ZAKI S/O MEHBOOB ELAHI R/O 1777 3RD FLOOR GALI MIR JUMLA BAZAR LAL KUAN NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD ZAKI

NAME CHANGE
I NAINA DALWAN S/O RAJINDER SINGH R/O H.NO 32 UPPER GROUND FLOOR GALI NO 2 OM VIHAR PH-2 MAHESH VIHAR UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my name to NAINA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I AJAY KUMAR AHUJA S/O MANOHAR LAL R/O T-446 / BALJEET NAGAR NEW DELHI 110008 have changed my name to AJAY AHUJA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I MOHD RAIS S/O MOHD HABIB R/O S-53/266 GANDHI -2, SRINIWASPURI DELHI-110065 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD RAHIS FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, RAMU S/O RAMNIVAS R/O MOHAN NAGAR, BARAUT, BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250611 have changed the name of my minor son NIKIL aged 11 years and he shall hereafter be known as RAGHAV.

NAME CHANGE
I, RAMU S/O RAMNIVAS R/O MOHAN NAGAR, BARAUT, BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250611 have changed the name of my minor son JIWAN aged 10 years and he shall hereafter be known as KAPIL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VED PAL SINGH S/o RAM DHEER SINGH R/o A 208, Defence Colony, Bhopura, Sahibabad, PO: Sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed my name and shall hereafter be known as VED PAL SINGH TOMER.

NAME CHANGE
I hitherto known as LAXMI W/O MAHENDER KUMAR R/O G-63, Block-G, Aruna Nagar, Majnu Ka Tila, North Delhi, Delhi-110054 have changed my name and shall hereafter be known as LACHHMA.

NAME CHANGE
I,TAFUNISHA D/O KITABUDDIN R/O RZ-23/193, GALI NO.12, DURGA PARK, DELHI-110045 HAVE CHANGED MY NAME TO TAIFUN NISHA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, PANKAJ KUMAR VASHIST S/O SUDESH KUMAR R/O 94,VPO TEEKLI,NEAR GOVT SENIOR SECONDARY SCHOOL, TIKLI(167), GURGAON, HARYANA-122101, HAVE CHANGED MY NAME TO PANKAJ VASHIST FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, GURUCHARAN PREET SINGH S/O LAKHVINDER PAL SINGH R/O H.NO-1253, MARUTI VIHAR,CHAKARPUR(74),GURGAON,HARYANA-122002 HAVE CHANGED MY NAME TO GURCHARAN PREET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as VINOD BAHADUR SOLANKI S/o BAHADUR RAM SOLANKI R/o T-4-801, Gulmohar Garden, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as VINOD BAHADUR.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MAINA SOLANKI W/o VINOD BAHADUR R/o T-4-801, Gulmohar Garden, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as MAINA DEVI.

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that Mrs. Archana Gupta W/o Mr. Rakesh Kumar is purchasing the Freehold Residential MIG Flat No. T-1, on Third Floor, (with roof right) having its super covered area 62 Sq. Mtr., built on Plot No. 48, Situated at Sector-05, Rajendra Nagar Residential Colony Tehsil & Dist. Ghaziabad, U.P. (said property). from Mr. Tanush Aggarwal S/o Mr. Raja Aggarwal, who has lost Original Sale Deed dated 23.02.2006 executed by Mr. Praveen Kumar Jain, Anita Jain & Rubi Jain, in favour of Mr. Gopal Dass Khajanchi having Serial No. 2031 in Bahi No. 1, Jild. No. 3463 on pages 171 to 184, on dated 23.02.2006 registered with the office of the Sub Registrar-III, Ghaziabad, in relation to said property. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42 & 43, Dilshad Colony, Delhi- 110095.
9911440912..
rgadvpnprime21@gmail.com

NAME CHANGE
I, AJTI KUMAR VERMA S/O SH. V S VERMA R/O K-32, GROUND FLOOR, ARYA SAMAJ ROAD, UTTAM NAGAR, DK MOHAN GARDEN, WEST DELHI, NEW DELHI-110059, have changed my name to AJEET KUMAR VERMA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that Mrs. Rajesh Kumari W/o Mr. Surender Kumar is the owner of Residential Plot area Measuring 300 Sq. Yds.,out of Khewat No.361, Khatoni No.466, Mu.No.34, Killa No.10/2(6-16) and Mu.No.35, Killa No.6/2(1-6),situated at Waka Mauja Agwanpur, Tehsil & District-Faridabad, Haryana, vide Sale Deed dt.29.03.2024, Doc.No.14084, executed by Mr.Babu Ram, Mr.Satbir Singh, Mr.Rambir, Mr.Rajvir and Mr.Balvir all sons of Late Mr.Sukkhan Singh,SR-Faridabad. And in the property chain Original Sale Deed dt.13.05.1996, doc. No. 1786 was lost and FIR has been lodged vide LR No: 771307/2026 on dt.03.11.2026. And now said property is being financed by Incred Financial Services Ltd. if anybody has any charge/title/family or third party interest in the said property any kind of dispute, kindly inform the undersigned in written with proof on the below mentioned address,failing which I am aware that in case default with the mortgage property,that all borrowers/owners are responsible for the same.
JBMR Law Associates.
(Advocates & Solicitors)
Shop no. 15, Lal Kuan, near Shiv Mandir, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my client I, Hansraj son of Sh.Ram Nathna, resident of 76, Phase-2, Shivani Enclave, P.O-N.S.I.T, Dwarka South-West, Delhi-110078 hereby declare and give public notice that NEPHEW Sangam son of YOUNGER BROTHER'S Mr.Majnu, resident of Village-Dihiya, P.O-Anguli, Teh-Shahganj, Distt-Jaunpur, Uttar Pradesh, is my nephew, from all my movable and immovable property and had disowned, dis-inherited, debarred and severed all relations from him. Any one dealing with Sh.Sangam will be doing so at his/her own risk and cost and my client Sh.Hansraj will not be liable for the same.
KRISHAN KUMAR Advocate
Ch.No. 840, Lawyer's Chamber Block, Dwarka District Court, Sector-10 Dwarka, New Delhi-110075, Mob. 9310727489

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that my client I, Hansraj son of Sh.Ram Nathna, resident of 76, Phase-2, Shivani Enclave, P.O-N.S.I.T, Dwarka South-West, Delhi-110078 hereby declare and give public notice that NEPHEW Ashish son of YOUNGER BROTHER'S Mr.Majnu, resident of Village-Dihiya, P.O-Anguli, Teh-Shahganj, Distt-Jaunpur, Uttar Pradesh, is my nephew, from all my movable and immovable property and had disowned, dis-inherited, debarred and severed all relations from him. Any one dealing with Sh.Ashish will be doing so at his/her own risk and cost and my client Sh.Hansraj will not be liable for the same.
KRISHAN KUMAR Advocate
Ch.No. 840, Lawyer's Chamber Block, Dwarka District Court, Sector-10 Dwarka, New Delhi-110075, Mob. 9310727489

NAME CHANGE
I,SANJAY KUMAR S/O LATE SH KAILASH CHAND JAIN R/O 007 GOLDEN CITY COLONY SUNPURA SOHANPUR GAUTAM BUDH NAGAR UTTAR PRADESH 203207 HAVE CHANGED MY NAME TO SANJAY KUMAR JAIN FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DINKY RATHI D/o MADANLAL RATHI and W/o KESHAV CHANDAK, residing at EG-64, INDERPURI, DELHI-110012, have changed my name after marriage and shall hereafter be known as DINKY CHANDAK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
My client Sh. Jagmohan age about 62 years S/o. Late Sh. Naryan Das R/o. B-468, Navjeevan Camp. Govindpuri, New Delhi-110019, has served all relations and disowned his son Nitin Kumar and daughter in law Riya from all his movable /immovable properties B-468, Navjeevan Camp. Govindpuri, New Delhi-110019, due to misbehaviour, my client shall not be responsible for their any act/deeds in future, if any one deals with them own their risk,
Akash advocate
Ch,770 Lawyers Complex saket Courts New Delhi -110017

NAME CHANGE
I hitherto known as Kartick Chandra Sarkar alias Kartick Sarkar S/o Nitai Pada Sarkar R/o F4/11, Madhuban Bapudham, Kashiram Gate No 1, Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201013 have changed my name and shall hereafter be known as Kartick Sarkar.

NAME CHANGE
I, Prashant Kumar S/O Jai Bhagwan R/O -192, Bhojpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 245304, have changed the name of my minor daughter Avnee aged 12 years and she shall hereafter be known as Avni Sharma

Public Notice
It is for general information that I, Pooja Sharma W/O Deepak Sharma R/O 88, Near Bank Of India, Aurangabad Ristal, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201003, declare that name of mine has been wrongly written as Puja Sharma in my minor son Deepesh Kumar aged 14 years in his school records. The actual name of mine is Pooja Sharma

Religion Change
I,Fatma Khatun D/O MD Nijamuddin W/O Sudhir Kumar, R/O KF-58, F- Block, Kavi Nagar DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism and renounced Islam with effect from 03.11.2026 and Changed my name Sapna Devi

NAME CHANGE
I, AKSHAY S/o AJIT PAL R/o H NO 65, CARTERPURI PALAM VIHAR GURGAON HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO AKSHAY YADAV ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I, VINAY KUMAR GARG S/O SATBEER GARG R/O H.NO. D-275, D-BLOCK, MADHU VIHAR, NEAR RAJA PURI RED LIGHT, D.K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 declare that name of mine has been wrongly written as VINAY GARG in my minor son SHUBHAM aged 15 years in his Birth Certificate No. MCDOLIR-0111-004869000. The actual name of mine is VINAY KUMAR GARG, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I PATIL NILEEMA SAGAR legally wife of Army no - JC 782721A, Rank - Nb/Sub, Name - Patil Sagar Narsing, Presently Residing At - Shivani, Post- Shivani, Teh - Bhadgoan, Dist - Jalgoan State-Maharashtra, Pin - 424105 have changed my name from PATIL NILEEMA SAGAR to PATIL NILIMA SAGAR for all future purposes, Vide affidavit dated 03/11/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Shrichand in respect of House No.352, measuring 90 sq. yds., situated at Sector-10, Housing Board Colony, Faridabad.; for** Lost OF Property document i.e, Original Possession Letter issued by Housing Board Haryana in the name of Mr. Shri Chand in respect of said property and sale deed registration no 10118 Date 01/12/2006 registration particular page (i.E) last page of the deed being lost, subject property is registered at SRO BALLABHGARH VIDE DOC. 10118, BOOK NUMBER 1on dated 1.12.2006. **An E-FIR was registered for the same examined by E-Police vide LR No. 771483/2026 on 03.11.2026,** This property is mortgaged with **Anand Rathi Global Finance Ltd. [ARGFL].** Any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land, If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकुज शर्मा, पुत्रः द्वारिका प्रसाद शर्मा, पताः 1) सी–1–222, कृष्णा विहार कुटी, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 2) 221, ग्राम और पोस्ट इंदौर खेड़ा, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश** ने **Ct. No. 821/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अंकुज शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अंकुज शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. No. 821/2020, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना करावल

संक्षिप्त डायरी

युवाओं से संवाद कर दी गई एसआईआर की जानकारी

एजेंसी

पीलीभीत। युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने तथा मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत की ओर से सोमवार को एक निजी इंस्टीट्यूट में युवा संवादकार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम अपने मताधिकार को जानें रही। कार्यक्रम में युवा आइकन सुमित जैसवार ने युवाओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित एसआईआर का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके तहत पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने तथा मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और अपात्र व्यक्तियों के नामों की नियमानुसार जांच एवं आवश्यक संशोधन किए जाते हैं। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का सही एवं अद्यतन होना बेहद जरूरी है। प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का समान अधिकार प्राप्त है। एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने युवाओं से अपने परिवार और आसपास के लोगों को मतदाता सूची में नाम की जांच करने तथा आवश्यकतानुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन कराने के लिए जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी शिवम शर्मा ने युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

70 घंटे बाद साबिर का नामांकन निरस्त, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष व सचिव पद प्रत्याशी आज देंगे फाइनल स्पीच

एजेंसी

अलीगढ़। एएमयू छात्रसंघ चुनाव के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद के प्रत्याशी मंगलवार को यूनियन हॉल की छत से फाइनल स्पीच देंगे। पांच मिनट के भाषण में प्रत्याशियों को न केवल राष्ट्र निर्माण में छात्र नेतृत्व का योगदान बताना होगा, बल्कि विद्यार्थियों के सामने अपने विजन और प्राथमिकताओं को भी बताना होगा। एएमयू छात्रसंघ चुनाव में नामांकन निरस्त किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यूनानी मेडिसिन संकाय से एएमयू कोर्ट सदस्य पद के प्रत्याशी मोहम्मद साबिर हुसैन का नामांकन करीब 70 घंटे बाद रद्द कर दिया गया। खास बात यह है कि 29 अक्तूबर को जांच में उनका परचा वैध पाया गया था। इसके बाद 31 अक्तूबर को उन्हें चुनाव के लिए क्रमांक संख्या छह भी आवंटित कर दिया गया था। मोहम्मद साबिर हुसैन ने 29 अक्तूबर को एएमयू कोर्ट सदस्य पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके परचे पर कुछ विद्यार्थियों ने आपत्ति जताई थी। उनका आरोप था कि साबिर आठ साल से अधिक समय से पढ़ाई कर रहे हैं, इसलिए वह चुनाव लड़ने की पात्रता नहीं रखते। इस मुद्दे पर विद्यार्थियों ने लगातार विरोध प्रदर्शन किया और नामांकन रद्द करने की मांग उठाई। 29 अक्तूबर को शाम चार बजे नामांकन पत्रों की जांच हुई, जिसमें साबिर का परचा सही पाया गया। इसके दो दिन बाद उन्हें क्रमांक संख्या छह आवंटित कर दिया गया। हालांकि, सोमवार सुबह 10 बजे मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने उनका नामांकन निरस्त कर दिया। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. जावेद तालिब ने बताया कि जांच के बाद नामांकन रद्द करने का निर्णय लिया गया। एएमयू में प्रचार करते प्रत्याशीफैसले के बाद यूनियन हॉल पर हंगामा नामांकन निरस्त होने की सूचना मिलते ही विद्यार्थियों में नाराजगी फैल गई। कुछ विद्यार्थियों ने यूनियन हॉल के गेट पर ताला लगाने की कोशिश की। इससे परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। मामले को लेकर एएमयू कोर्ट के कुछ प्रत्याशी कुलपति से मिलने भी पहुंचे। विद्यार्थियों का सवाल है कि जब नामांकन पत्रों की जांच में परचा वैध पाया गया और प्रत्याशी को चुनावी क्रमांक भी आवंटित कर दिया गया था, तो करीब 70 घंटे बाद उसे निरस्त करने की जरूरत क्यों पड़ी। इस फैसले के बाद चुनाव प्रक्रिया और नामांकन जांच को लेकर कैंपस में चर्चा तेज हो गई है। एएमयू छात्रसंघ चुनाव के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद के प्रत्याशी मंगलवार को यूनियन हॉल की छत से फाइनल स्पीच देंगे। पांच मिनट के भाषण में प्रत्याशियों को न केवल राष्ट्र निर्माण में छात्र नेतृत्व का योगदान बताना होगा, बल्कि विद्यार्थियों के सामने अपने विजन और प्राथमिकताओं को भी बताना होगा। यूनियन हॉल की छत पर कार्यक्रम के लिए पंडाल लगाया गया है। छात्राओं के लिए बैठने की जगह दायीं ओर होगी। सामने छात्र होंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. जावेद तालिब ने बताया कि दोपहर 2:15 बजे से प्रत्याशियों की फाइनल स्पीच शुरू होगी। प्रत्येक प्रत्याशी को पांच मिनट और एक मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा। प्रत्याशी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू समेत किसी भी भाषा में अपनी बात रख सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात रहेगी।

जिम कॉर्बेट में सीडीएफयूपी की वार्षिक आम सभा, नई दवा नीति और कानूनी प्रावधानों पर हुई चर्चा

एजेंसी

अलीगढ़। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश (सीडीएफयूपी) की वार्षिक आम सभा और सतत शिक्षा कार्यक्रम (कंटीन्यूअस एजुकेशन प्रोग्राम) उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में आयोजित हुआ। दवा कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखने और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अब बिना बिल की दवाओं की खरीद-बिक्री पर सख्ती बरतने की तैयारी है। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश (सीडीएफयूपी) की वार्षिक आम सभा और सतत शिक्षा कार्यक्रम (कंटीन्यूअस एजुकेशन प्रोग्राम) उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में आयोजित हुआ। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों को नई दवा नीति और प्रस्तावित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। फेडरेशन के महामंत्री सुरेश गुप्ता ने सभी जिला इकाइयों को निर्देशित किया कि एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं की बिना डॉक्टर के पर्चे और बिना बिल के खरीद-बिक्री तत्काल बंद कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दवा विक्रेताओं का संगठन किसी भी स्तर पर समर्थन नहीं करेगा। दवा कारोबार की छवि को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए सभी को नियमों का पालन करना होगा। बैठक में संगठन के सदस्य संदीप चतुर्वेदी ने कहा कि दवा कारोबारियों का उत्पीड़न और शोषण करने वाले किसी भी कानून का समर्थन नहीं किया जाएगा। वहीं, अलीगढ़ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने बैठक में हुई चर्चा के आधार पर जिले के सभी दवा विक्रेताओं से बिना बिल की दवाओं की खरीद-बिक्री से दूर रहने और एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं का पूरा लेखा-जोखा रखने की अपील की है। कार्यक्रम में अलीगढ़ की ओर से एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सिंह, महामंत्री आलोक वार्ष्णेय, रीजन महामंत्री भूपेंद्र वार्ष्णेय, संगठन मंत्री अनिल वर्मा और बृजेश वार्ष्णेय मौजूद रहे।

अंडरवियर में मोबाइल छिपाकर लाया डिवाइस, नकल का ऐसा तरीका; चकरा जाएगा दिमाग

एजेंसी

एटा। मैनपुरी में पीईटी परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ बड्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ पकड़े गए अभ्यर्थी को न्यायालय ने जेल भेज दिया। अभ्यर्थी ने पूछताछ में बताया कि वह डिवाइस अंडरवियर में छिपाकर लाया था। पुलिस के अनुसार, प्रयागराज निवासी उसके एक दोस्त ने नकल के लिए डिवाइस दी थी। आगरा एसटीएफ ने भी उससे पूछताछ की है और अब दोस्त की भूमिका की जांच की जा रही है। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में रविवार को ब्लूटूथ बड्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ पकड़े अभ्यर्थी को सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस को अभ्यर्थी ने बताया कि प्रयागराज के रहने वाले उसके एक दोस्त ने उसे नकल करने के लिए डिवाइस दी थी। मामले की जानकारी मिलने पर आगरा से आई एसटीएफ की टीम ने भी उससे पूछताछ की थी। रविवार को कचहरी रोड स्थित कुंवर रामचंद्र सिंह लाल सिंह कन्या इंटर कॉलेज में पीईटी की प्रथम पाली की परीक्षा चल रही थी।

पीलीभीत के नूरानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हेलीकॉप्टर से उतरते ही गूंजे जयकारे

एजेंसी

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पीलीभीत जिले के बीसलपुर तहसील स्थित नूरानपुर गांव पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां गोरक्षपीठ से जुड़े प्रसिद्ध शिव मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा के समापन अनुष्ठान और पूर्णाहुति समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। राज्य के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ प्रमुख के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह और भक्तिमय माहौल देखा गया। मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर नूरानपुर गांव में शिव मंदिर के ठीक समीप बनाए गए विशेष हेलीपैड पर उतरा। हेलीकॉप्टर के उतरते ही कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित साधु-संतों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों,



प्रशासनिक अधिकारियों और हजारों की संख्या में आए ग्रामीणों ने जयघोष के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। भक्तिमय माहौल में हुआ मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही नूरानपुर गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्सव जैसा वातावरण बन चुका था। गोरक्षपीठ से जुड़े इस ऐतिहासिक शिव मंदिर में पिछले नौ दिनों से दिव्य रामकथा का आयोजन चल रहा था, जिसका समापन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। जैसे ही मुख्यमंत्री हेलीपैड से उतरकर कार्यक्रम स्थल और मंदिर परिसर की ओर बढ़े, पूरा क्षेत्र जय श्री राम और हर हर महादेव के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। आश्रम परिसर में मंच और पूजा-अर्चना स्थल को फूलों तथा झंडियों से भव्य रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित शीर्ष साधु-संतों, धमार्चार्यों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का माल्यार्पण कर, अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने भी हाथ जोड़कर और झुकाकर उपस्थित जनसमूह, संतों और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। गोरक्षपीठ और नूरानपुर शिव मंदिर का विशेष संबंध नूरानपुर स्थित शिव मंदिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से गोरक्षपीठ (गोरखपुर) से सीधे जुड़ा हुआ है। गोरक्षपीठ परंपरा के तहत समय-समय पर यहाँ धार्मिक और सामाजिक आयोजनों का आयोजन होता रहता है। नौ दिनों तक चली इस श्री रामकथा में प्रतिदिन आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों श्रद्धालु प्रभु राम के आदर्शों और कथा का श्रवण करने पहुंचते थे। मंगलवार को रामकथा के अंतिम दिन विशेष हवन, पूजन और पूर्णाहुति का आयोजन किया गया था। गोरक्षनाथ पीठ के प्रमुख होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं मंदिर में जाकर भगवान शिव का दर्शन-पूजन किया और देश तथा प्रदेश की समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने रामकथा के समापन अवसर पर आयोजित हवन कुंड में आहुति दी और संतों के साथ धार्मिक अनुष्ठान पूरा किया। श्रद्धालुओं और संतों का विशाल समागम मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सुबह से ही नूरानपुर गांव की ओर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। पीलीभीत जिले के अलावा आसपास के जिलों जैसे शाहजहांपुर, बरेली, लखीमपुर खीरी और बदायूं से भी बड़ी संख्या में संत-महात्मा और ग्रामीण इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने पहुंचे थे। मंदिर परिसर में स्थापित विशाल पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। हर आयु वर्ग के लोग, जिनमें महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल थे, मुख्यमंत्री को देखने और उनके विचार सुनने के लिए आतुर नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था का खाका इस तरह तैयार किया गया था कि परिंदे भी पर न मार सकें। सुरक्षा बल में लगभग 1600 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ प्रांतीय सशस्त्र बल की एक पूरी कंपनी तैनात की गई थी। महिला उपनिरीक्षकः 38 महिला सब-इंस्पेक्टरों की तैनाती की गई। हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबलः 707 मुख्य आरक्षी और आरक्षी जवानों ने सुरक्षा घेरा संभाला। महिला आरक्षीः महिला श्रद्धालुओं की जांच और सुरक्षा के लिए 124 महिला कांस्टेबलों को तैनात किया गया था। हेलीपैड से लेकर मुख्य कथा स्थल, मंदिर परिसर और आसपास की सड़कों पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रही।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत; राहगीरों ने देखा शव तो दी पुलिस को जानकारी



एजेंसी

मिजार्पुर । मिजार्पुर जिले में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, जिससे युवक की मौत हो गई। युवक लहंगपुर से अपने घर लौट रहा था। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे राहगीरों ने सड़क पर उसका शव पड़ा देखा। वाराणसी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजापुर गांव के पास सोमवार की देर रात बाइक डिवाइडर से टकराने से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक लहंगपुर से अपने घर लौट रहा था। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे राहगीरों ने सड़क पर उसका शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की पहचान कर परिजनों को घटना की सूचना दी। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के करनपुर दहवा गांव निवासी सुनील सोमवार की देर रात बाइक से लहंगपुर से घर लौट रहा था। राजापुर गांव के पास लहंगपुर पुलिस चौकी के निकट उसकी बाइक अनियंत्रित होकर हाईवे के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर से उसके सिर में गंभीर चोट आई। सुबह राहगीरों की नजर उस पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बाइक और युवक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान की। परिजनों के पहुंचने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुनील छह भाई-बहनों में सबसे छोटा था।

आईआईटी बीएचयू में आएंगी वित्तमंत्री, जारी करेंगी 250 रुपये का स्मारक सिक्का

एजेंसी

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में आज वित्तमंत्री सीतारमण आएंगी। वह 250 रुपये का स्मारक सिक्का जारी करेंगी। कर्नाटक के संगीतकार मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर विमोचन होगा। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को आईआईटी बीएचयू में कर्नाटक के जाने माने संगीतकार मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल होंगी। मुत्तुस्वामी की स्मृति में वित्तमंत्री 250 रुपये का स्मारक सिक्का जारी करेंगी। भारतीय शास्त्रीय संगीत की कर्नाटक शैली के तीन महान संगीतकारों की त्रिमूर्ति में दीक्षितर का विशिष्ट स्थान है। आईआईटी बीएचयू के आईकेएस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से स्वतंत्रता भवन में अमरा गुरुगुहाः श्री मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250 वर्ष की स्मृति में शीर्षक से कार्यक्रम आयोजित है। समारोह का



उद्देश्य महान संगीतकार के जीवन, संगीत विरासत और भारतीय संस्कृति में उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करना है। बीएचयू संगीत एवं मंच कला संकाय के पूर्व प्रमुख प्रो. राजेश शाह का कहना है कि मुत्तुस्वामी का काशी से जुड़ाव रहा है। वर्ष 1775 में जन्मे मुत्तुस्वामी दीक्षितर का भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में बड़ा नाम है। वे त्यागराज और श्यामा शास्त्री के साथ कर्नाटक संगीत की महान त्रिमूर्ति के सदस्य थे। संगीतकार, गायक और वीणा वादक के रूप में उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से कर्नाटक संगीत को समृद्ध किया। उनकी रचनाओं में विविध रागों का विस्तार, मंदिरों और देवी-देवताओं का वर्णन और भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की झलक मिलती है। उनकी अनेक रचनाओं में प्रयुक्त गुरुगुहा उनकी विशिष्ट संगीत पहचान है। आज भी उनकी रचनाएं कर्नाटक संगीत की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। भारतीय संगीत, साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती हैं। मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर जारी होने वाला यह सिक्का उनकी अद्वितीय संगीत साधना और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को समर्पित होगा। उनकी अमर रचनाएं आज भी देश-विदेश में संगीत प्रेमियों और कलाकारों को प्रेरित कर रही हैं। मुद्राशास्त्री सुधीर लुणावत, बीकानेर के अनुसार, मुत्तुस्वामी की स्मृति में जारी किया जाने वाला स्मारक सिक्का भारत सरकार की मुंबई टकसाल में तैयार किया गया है। सिक्के का कुल वजन 35 ग्राम होगा। इसमें 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा, 5 प्रतिशत निकल और 5 प्रतिशत जस्ता होगा। यह सिक्का सामान्य प्रचलन में जारी नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री के विमोचन के बाद इसे भारत सरकार की टकसाल की आधिकारिक वेबसाइट से उपलब्धता के अनुसार खरीदा जा सकेगा।

शिक्षक ने स्कूल की छत पर लौकी तोड़ने भेजा, छात्र की हाईटेंशन तार के करंट से मौत

एजेंसी

बलिया । बलिया में स्कूल की छत पर लौकी तोड़ने गए चौथी के छात्र की हाईटेंशन तार के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। आरोप है कि शिक्षक ने उसे लौकी तोड़ने के लिए छत पर भेजा था। बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के कनैला दलित बस्ती पोखरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। विद्यालय की छत पर लौकी तोड़ने गए कक्षा चार के छात्र अरशद (10) की हाईटेंशन तार के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि शिक्षक ने छात्र को लौकी तोड़ने के लिए छत पर भेजा था। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया और शिक्षकों को बंधक बना लिया। करीब चार घंटे तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गड़वार, सुखपुरा, फेफना और चितबड़ागांव थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझाया तथा शासन से मिलने वाली सहायता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रभारी प्रधानाचार्य विजय शंकर और सहायक शिक्षक अनिल कुमार को निर्लंबित कर दिया है, जबकि शिक्षामित्र की सेवा समाप्ति के लिए ग्राम प्रधान को पत्र भेजा गया है। कनैला गांव निवासी इजहार का पुत्र अरशद प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार का छात्र था। वह रोज की तरह सोमवार को विद्यालय गया था। आरोप है कि शिक्षक ने उसे छत पर चढ़कर लौकी तोड़ कर लाने के लिए कहा। लौकी तोड़ते समय छात्र वहां से गुजर रहे हाईटेंशन तार के करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह देख बच्चे चिल्लाने लगे। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन संग ग्रामीण भी घटना स्थल पर पहुंच गए। शिक्षकों पर हत्या का आरोप लगाते हुए ग्रामीण हंगामा करने लगे। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने की मांग पर अड़े थे। सूचना पर एसडीएम सदर गोपेश तिवारी, बीएसए मनीष कुमार सिंह,बीईओ विशाल यादव, हाइडिल के एसडीओ और सीओ सिटी सतीश शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को शासन से मिलने वाली सहयोग राशि और अन्य मदद के साथ दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। छात्र अरशद अपने माता-पिता की छह संतानों में सबसे छोटा था। वह पढ़ाई में अव्वल था।

पहले दिन यात्रियों में दिखा उत्साह, फर्स्ट एसी में आधी सीटें भरीं

एजेंसी

वाराणसी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से वाराणसी से दिल्ली का सफर आसान हो गया है। पहले दिन यात्रियों में गजब का उत्साह दिखा। इस ट्रेन के चलने से शिवगंगा एक्सप्रेस और नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस का भार कम हुआ है। देश की दूसरी स्लीपर वंदे भारत ट्रेन सोमवार को कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से रवाना हुई। पहले दिन फर्स्ट एसी कोच में आधे से अधिक सीट वाराणसी से ही भरी दिखी जबकि सेकंड और थर्ड एसी में रिजर्वेशन कराने वालों को सोमवार शाम तक सीट मिली। इस ट्रेन के चलने से बनारस स्टेशन से चलने वाली शिवगंगा एक्सप्रेस और नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस का भार कम हुआ है। सामान्य दिनों में इन दोनों ट्रेनों में भी वेटिंग लिस्ट लंबी रहती है। 27421 वंदेभारत स्लीपर ट्रेन रात 8.50 बजे रवाना हुई। पहले दिन आईआरसीटीसी की ओर से ट्रेन में यात्रियों का स्वागत किया गया। उधर, यात्री भी हर हर महादेव के जयघोष के साथ सफर पर निकले। रिजर्वेशन की बात करें तो फर्स्ट एसी पहले फुल हो जा रही है। जबकि सेकंड, थर्ड एसी में ट्रेन के चलने से पहले तक लोग सीट पा जा रहे हैं। पहले दिन भी ऐसा ही देखने को मिला। हालांकि, पहले दिन निर्धारित समय रात 8.50



बजे से 5 मिनट की देरी से स्लीपर ट्रेन को रवाना किया गया, प्रयागराज में इसका निर्धारित समय रात 10.35 बजे है, लेकिन यह ट्रेन 10 मिनट पहले ही पहुंच गई। शिवगंगा समेत तीन ट्रेनों में मिला कंफर्म टिकट शिवगंगा समेत तीन ट्रेनों में लोगों को सोमवार को भी कंफर्म सीट मिल गई। इसमें वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली 04209 वाराणसी से रात 10.15 बजे दिल्ली जाने वाली स्पेशल ट्रेन में स्लीपर कोच में 9.30 बजे तक 320 कंफर्म सीट थी। जबकि 3 एसी में भी 225 और सेकंड एसी में 23 सीट कंफर्म दिख रही थी। 12581 बनारस नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस हर दिन बनारस स्टेशन से रात 11.10 बजे चलती है। इस ट्रेन में भी 9.30 बजे तक थर्ड एसी में 105, सेकंड में 31 जबकि फर्स्ट एसी में 4 सीट खाली दिख रही थी।

शीतलहर के दिनों के तेवर ठंडे करेगा अल नीनो

एजेंसी

कानपुर । और आसपास के क्षेत्रों में इस बार अल नीनो के प्रभाव के चलते कड़ाके की ठंड और शीतलहर के दिन कम रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अमूमन 20 दिन तक रहने वाली शीतलहर की अवधि घटकर 13 से 15 दिन तक सिमट सकती है, और सर्दियों में तापमान सामान्य से 0.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक कानपुर में अल नीनो के प्रभाव से इस बार शीत लहर के दिन कम हो सकते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक कानपुर परिक्षेत्र में औसतन 20 दिन रहने वाली शीतलहर की अवधि पांच से सात दिन घट सकती है। यानी इस बार शीतलहर के दिन 13 से 15 तक सिमट सकते हैं। वहीं, सर्दियों में तापमान सामान्य औसत से 0.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। जाड़े में शीतलहर उस स्थिति



को कहते हैं, जब तापमान सामान्य औसत से चार से पांच डिग्री तक नीचे चला जाता है। अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसमें मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव मानसून के साथ सर्दियों पर भी पड़ता है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि अल नीनो वाले वर्षों में ठंड सामान्य से कम रहती है। इसका असर नवंबर से फरवरी के बीच तापमान पर दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अल नीनो वर्षों में सर्दियों का औसत तापमान सामान्य से 0.5 से 1.5 डिग्री तक अधिक बढ़ा रहता है। कुछ विशेष क्षेत्रों में यह अंतर दो डिग्री तक पहुंच जाता है। इससे रातों का तापमान भी सामान्य से 0.8 से एक डिग्री तक ऊपर रह सकता है और कड़ाके की ठंड की अवधि घट जाती है। नोडल अधिकारी ने बताया कि इस साल अल नीनो के प्रभाव के कारण देश में अक्तूबर का औसत अधिकतम तापमान इतिहास में सबसे गर्म 32.43 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.06 डिग्री अधिक था। अल नीनो के प्रभाव से उत्तर भारत में बारिश और बर्फबारी लाने वाले पश्चिमी विक्षोभ कमजोर हो जाते हैं। पहाड़ों पर सामान्य से बहुत कम बर्फबारी होती है। बर्फीली ठंडी हवाएं मैदानी इलाकों में नहीं चलतीं हैं। हवाओं का रुख बदलने से कड़ाके की ठंड का अहसास कम होता है। तापमान सामान्य से एक डिग्री भी अधिक रहने पर फसलों पर असर पड़ सकता है। गेहूं की अच्छी पैदावार के लिए लंबे समय तक कम तापमान जरूरी होता है।

आचार्यनगर में केस्को का सघन चेकिंग अभियान, पांच परिसरों में पकड़ी बिजली चोरी, एफआईआर दर्ज



एजेंसी

कानपुर । आचार्यनगर में केस्को की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ जोरदार सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने विभिन्न परिसरों में अवैध रूप से बिजली जलते हुए रंगे हाथों पकड़ा। बिजली चोरी में लिप्त पाए गए पांचों गृहस्वामियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। कानपुर में लाइन लॉस वाले क्षेत्र आचार्यनगर में सोमवार को केस्को की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने पांच परिसर में बिजली चोरी पकड़ी। टीम ने जीवनलाल का हाता निवासी कृष्णा, देवीदीन का हाता निवासी किरन, तान्या, भन्नानापुरवा में जय, विजय और अजय परिहार के घर बिजली चोरी होते मिली। टीम को आचार्यनगर में अमर कौल के घर चोरी से बिजली जलती मिली। इन सभी के खिलाफ बिजली चोरी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

इंडिगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अे धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

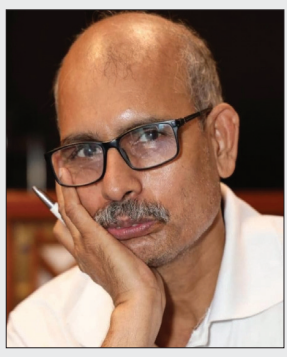
ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति



विनोद सिंह 'तकियावाला'

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है।

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल...

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में



इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार की बाढ़ समस्या का समाधान किसी एक योजना से संभव नहीं है, लेकिन यह पहल नदी प्रबंधन, सड़क निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने का अवसर अवश्य प्रदान करती है। अब जरूरत समयबद्ध कार्ययोजना, पारदर्शी निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर पाती हैं, तो बिहार की नदियों की गाद वास्तव में राज्य के विकास की नई संजीवनी बन सकती है।

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

सूक्ति

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
- महात्मा गांधी

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
- सत्यसाई बाबा

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?



सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान



मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं



पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.

मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठान और पेंट कारोबारियों को विशेष निगरानी में रखा गया है. विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं को घोषित मात्रा के अनुरूप वस्तुएं मिलें और उनसे निर्धारित मू

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में सप्ताहांत के दौरान हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग मोटरसाइकिल चला रहे थे और तीन कार चला रहे थे। रविवार शाम मेलबर्न के ब्राइटन ईस्ट इलाके में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक और बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक बच्चा मामूली रूप से घायल हुआ। इससे पहले शनिवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक वाहन की टक्कर से 75 साल की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, जिलॉन्ग के पास ई-बाइक और कार की टक्कर में दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। पर्यटकों को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया। फिलहाल सभी का डोल्पा जिले के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील घूमने गए थे। लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण नुमला और वागला दर्रे में फंस गए। खराब मौसम के चलते रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर भी उन्हें बचाने में नाकाम रहा था। प्रशासन ने पहले ही इलाके में भारी बर्फबारी को देखते हुए पर्यटकों को वहां न जाने की चेतावनी दी थी।

'बांग्लादेशी कपड़ा श्रमिकों का प्रदर्शन, कारखाने बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कपड़े बनाने वाले श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए वेतन बोर्ड के गठन का एलान किया है। न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हो रहे इन प्रदर्शनों के चलते देश भर में 500 से अधिक कारखाने बंद करने पड़े हैं, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। यह विवाद उस उद्योग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जो लगभग 40 लाख श्रमिकों को रोजगार देता है। बांग्लादेश में 80% से अधिक निर्यात आय पैदा करता है और दुनिया के कई बड़े पश्चिमी ब्रांडों को कपड़े सप्लाई करता है।

4.2 करोड़ बच्चों को पछाड़ 11 साल की मयार ने जीता अरब रीडिंग चैलेंज

दुबई , एजेंसी। मिस्र की 11 साल की छात्रा मयार मोहम्मद ने दुबई में आयोजित 8वें 'अरब रीडिंग चैलेंज' में दुनिया भर के 4.02 करोड़ से अधिक छात्रों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। दुबई ओपेरा में आयोजित समारोह में यूएई के उपराष्ट्रपति, पीएम व दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मयार को इस ऐतिहासिक जीत के लिए सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को जीतने पर मयार को इनाम के रूप में 5 लाख दिरहम (लगभग 1.14 करोड़ रुपये) की राशि मिली है। मिस्र की एक प्राइमरी स्कूल की छात्रा मयार ने दुबई में फाइनल स्टेज तक पहुँचने और उसे जीतने के लिए अलग-अलग विषयों की दर्जनों किताबों को न केवल पढ़ा, बल्कि उनका गहराई से विश्लेषण भी किया। प्रतियोगिता इतनी कठिन थी कि दूसरे स्थान के लिए तीन छात्रों के बीच टाई हो गया।

ट्रंप ने किसानों को दिया 1.42 लाख करोड़ का पैकेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 15 अरब डॉलर(1.42 लाख करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद और योजनाओं का वादा किया है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को डीजल और उर्वरक की उन बढ़ी हुई लागतों से राहत दिलाना है, जिन्हें उन्हें मुख्य रूप से ट्रंप के टैरिफ और ईरान के साथ युद्ध के कारण भुगतना पड़ा है। ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए ट्रंप ने रविवार को आयोवा और कंसास का दौरा भी किया। कुल 15 अरब डॉलर में से आधे से अधिक यानी 8 अरब डॉलर किसानों को मिलने वाले एकमुश्त भुगतान के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लोरिडा में विमान हादसा, रिहायशी इलाके के पास निजी जेट क्रैश; प्लेन में सवार सभी 9 लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी : एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान : विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।



600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा विमान : हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान रिहायशी मकानों के बेहद करीब गिरा। हादसे के दौरान वह घरों से कुछ ही दूरी पर सड़क के पास जा गिरा। मौके पर मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे कि विमान मकानों और वहां से गुजर रहे वाहनों से टकराने से बाल-बाल बचा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि हादसे में आसपास के मकानों को कोई नुकसान पहुंचा है या नहीं।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया हादसे का वीडियो : हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और सड़क के टूटे हिस्सों के आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

हादसा मिलिट्री ट्रेल और 10वीं एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया और वाहन चालकों से उस इलाके में जाने से बचने की अपील की।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

वाशिंगटन , एजेंसी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है। अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई।

इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।' इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है। एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से काम किया जाएगा। विज्ञप्ति में 'एसआई' यानी 'सुपर इंटेलिजेंस' का उल्लेख किया गया है, जिसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में परिभाषित किया गया है।

हूती के खिलाफ सऊदी गठबंधन का अभियान, दावा- अहम सैन्य संसाधनों को किया तबाह

रियाद , एजेंसी। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि उसने हूती गुट के महत्वपूर्ण संसाधनों को निष्क्रिय करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'अभियान रविवार सुबह चलाया गया। यह कदम सऊदी अरब और यमन में नागरिकों और नागरिक ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के जवाब में उठाया गया था।' अल-मल्की ने बताया कि हूती विद्रोही इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने युद्ध प्रयासों को समर्थन देने और अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कर रहे थे, खासकर अपने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों के लिए। समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, उन्होंने इस अभियान की जगह या इसके नतीजों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसके अलावा, रविवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थानीय निवासियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में एक सरकारी सैन्य ठिकाने के पास हूती मिसाइल गिरी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। अपना नाम न बताने की शर्त पर 'सिन्हुआ' से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका जिले में उस सैन्य ठिकाने के पास गिरी, जिसका इस्तेमाल सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना कर रही थी। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई इलाकों तक सुनाई दी। हूती समूह ने इस हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। अदन, जो यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का अस्थायी मुख्यालय है, हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ गया है। यमन 2014 के आखिर से ही संघर्ष में उलझा हुआ है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

'नियमों का उल्लंघन' करने वाले तेल टैंकरों में विस्फोट, बारूदी सुरंग से टकराए थे दोनों: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पिछले कुछ घंटों के दौरान दो 'नियम उल्लंघन करने वाले' सुपरटैंकर समेत एक तेल टैंकर में धमाका हुआ। कथित तौर पर ये दोनों बारूदी सुरंगों (नेवल माइन्स) से टकराए जिससे विस्फोट हुआ और दोनों वहीं रुक गए। रविवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सिपाह न्यूज' पर जारी एक बयान में, नौसेना ने कहा कि ये टैंकर जलडमरूमध्य में एक 'अनधिकृत' (बिना अनुमति वाले) रास्ते से गुजर रहे थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इसमें आगे कहा गया कि सुपरटैंकर में 'एक जोरदार विस्फोट हुआ और वह धू-धू कर जल रहा है।' बताया गया कि दोनों



जहाजों ने अपने नेविगेशन और पहचान प्रणालियों को बंद कर रखा था। ईरान ने 28 फरवरी को इस स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसने इजरायल और अमेरिका के जहाजों–या उनसे जुड़े जहाजों - के सुरक्षित आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम ईरानी क्षेत्र पर उनके संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। इससे पहले, आईआरजीसी के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बलों ने 'दुश्मन' को नुकसान पहुंचाने और रोकने के लिए एक विशाल युद्धक्षेत्र तय कर लिया है। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) को ईरान के दक्षिण-पूर्वी केरमान प्रांत में एक सम्मेलन में मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बल 'दुश्मन को निर्णायक जवाब देने के लिए' पहले से कहीं अधिक तत्पर हैं। उन्होंने सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई द्वारा वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए हालिया आदेशों का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम लीडर के इन निर्देशों ने 'युद्ध का एक नया अध्याय' शुरू कर दिया है। मोहेब्बी ने खामेनेई की उस बात का उल्लेख खासतौर पर किया जिसमें कहा गया कि 'अमेरिका के साथ युद्ध में कोई भौगोलिक सीमा नहीं है।' उन्होंने कहा कि आईआरजीसी ने अपने एजेंडे में दुश्मन के नए ठिकानों की पहचान करना और नए भौगोलिक क्षेत्रों में अभियानों की योजना बनाना शामिल किया है। शनिवार को एक बयान में बताया गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कमांडरों को आदेश दिया है कि 'दुश्मनों' की ओर से आने वाले किसी भी स्तर और प्रकार के खतरे का, बिना किसी भौगोलिक सीमा के, 'तत्काल और प्रभावी' जवाब दिया जाना चाहिए। ये चेतावनियां ऐसे समय में आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है। स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की



संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई। सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया। राजनीतिक दलों पर पूरा भरोसा रखने वालों का अनुपात भी 31.2 प्रतिशत से गिरकर 24.4 प्रतिशत पर आ गया। मैकिनॉन के अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष और विक्टोरिया राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री जॉन थ्वेट्स ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा उस राजनीति के मुकाबले कहीं अधिक है, जो इन संस्थाओं के भीतर संचालित होती है। उन्होंने शिक्षा के आधार पर लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में अंतर को भी महत्वपूर्ण बताया। थ्वेट्स के अनुसार, 'विश्वविद्यालय की डिग्री या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों में लोकतंत्र से संतुष्टि का स्तर 59 प्रतिशत है, जबकि हाईस्कूल या उससे कम शिक्षा वाले लोगों में यह केवल 39.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी असंतोष सामने आया। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी दस्तक, 57 चेहरे मंगलवार को आजमाएंगे किस्मत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की उल्लेखनीय मौजूदगी देखने को मिल रही है। ओहायो में गवर्नर पद से लेकर लॉस एंजिलिस के मेयर और मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट तक, भारतीय मूल के 57 उम्मीदवार मंगलवार को मतदाताओं के बीच अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह संख्या अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती भागीदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती है। आईएएनएस ने देशभर से जुटाई एक लिस्ट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इन 57 उम्मीदवारों में एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सूची में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, जिनकी भारतीय मूल की पहचान की पुष्टि हो सकी है।

इसके अलावा 15 ऐसे संभावित उम्मीदवार हैं, जिन्हें भारतीय मूल का माना जा रहा है, लेकिन पर्याप्त पुष्टि नहीं होने के कारण सूची में जगह नहीं मिली है। इन चुनावों में सबसे अधिक निगाहें ओहायो पर रहेंगी, जहां रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन को चुनौती दे रहे हैं।

रविवार को उपलब्ध फिफ्टीप्लसवन के पोलिंग औसत में एक्टन को करीब तीन अंकों की बढ़त दिखाई गई। रामास्वामी की उम्मीदवारी इसलिए भी अहम है क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और उनकी जीत अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को एक



नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी कार्उंसल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर करेन बास को चुनौती दे रही हैं। यूसी बर्कले इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंटल स्टडीज और लॉस एंजिलिस टाइम्स के संयुक्त सर्वेक्षण में दोनों उम्मीदवारों को 40-40 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता अब भी अनिर्णीत थे। यह मुकाबला भी भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बढ़ती राजनीतिक पहुंच का एक अहम उदाहरण है। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मैदान में हैं। 28 अक्टूबर को जारी सिएना सर्वेक्षण में जेम्स को 54 प्रतिशत और कोमाटिरेड्डी को 39 प्रतिशत समर्थन मिला था। मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर भी दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से वह गवर्नर पद के उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि रिपब्लिकन टिकट में डैन कॉक्स शामिल हैं। सीनेट की एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार वाली दौड़ मैसाचुसेट्स में है। यहां शिवा अय्यादुरई निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की को चुनौती दे रहे हैं।

अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी।

नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे : इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं,



जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है।

विपक्षी दलों का समर्थन लेना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है।

अल्पमत सरकार बनाना : नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है।

चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं।

जानकारी

खूबसूरती को बढ़ाने और चेहरे को चमकाने के लिए फायदेमंद है चीनी

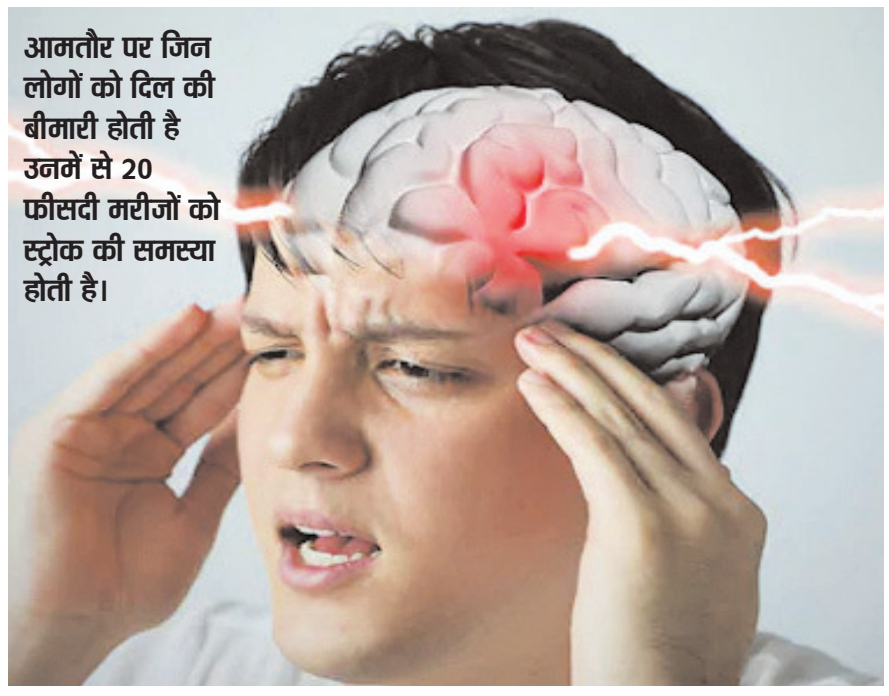
आप लोग चीनी का इस्तेमाल चाय या कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं चीनी आपकी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए भी है लाजवाब। तो आइए आपको बताते हैं कि, कैसे आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकते हैं।

चीनी का हर रोज इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी हर तरह की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। बहुत से इंसान इस बात से अंजान हैं कि, चीनी हमारी त्वचा की कई परेशानियों को दूर कर देती हैं। चलिए आपको बताते हैं चीनी आपकी स्किन के लिए कैसे लाभकारी होती है। अगर आपकी स्किन अधिक ही ड्राई रहती है, तो चीनी और तिल का तेल मिलाना चाहिए तथा इसमें नीलगिरी का तेल मिला लीजिए। इसको अपने चेहरे पर लगाना चाहिए। इससे चेहरा ऑयली होगा और चेहरे को ठंडक मिलेगी।

चीनी हर तरह की स्किन के लिए लाभकारी होती है। एक चम्मच चीनी में ऑलिव ऑयल तथा नींबू के रस की कुछ बूंदे डालकर पेस्ट बना लीजिए। इसे अपने चेहरे पर15 मिनट लगाना चाहिए। फिर हल्के हाथों से इसे स्क्रब कीजिए और धो लीजिए। सेल्स स्किन को डल और बेजान बना देते हैं। अगर आपकी स्किन भी बेजान हो गई है तो दो चम्मच चीनी में एक चम्मच हल्का गर्म नारियल तेल मिला लीजिए। इसे चेहरे पर स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लीजिए।



- वजन घटने तथा प्रैग्नेंसी के बाद स्किन पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इनको हटाने के लिए चीनी, कॉफी, बादाम तेल तथा शहद मिलाकर पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट को स्ट्रेच मार्क्स पर लगाकर मालिश कीजिए।
- इसके अलावा थोड़ी सी मात्रा में चीनी लीजिए। उसमें चुकंदर का रस मिलाएं और फिर इस पेस्ट से हल्के हाथों से होंठों पर स्क्रब कीजिए। थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए। इससे होंठ मुलायम और पाउटी बन जाएंगे। अगर आप भी बढ़ाना चाहती हैं अपने चेहरे की खूबसूरती तो जरुर करें चीनी का इस्तेमाल।



आमतौर पर जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनमें से 20 फीसदी मरीजों को स्ट्रोक की समस्या होती है।

15 से 59 साल के लोगों के लिए मौत की बड़ी वजह बन रहा ब्रेन स्ट्रोक



दुनियाभर में फैली तमाम जानलेवा बीमारियों के बीच एक और खतरनाक बीमारी धीरे धीरे लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इस बीमारी का नाम है ब्रेन स्ट्रोक। आज हालत यह है कि दुनिया का हर छठा व्यक्ति कभी न कभी ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हुआ है और 60 से ऊपर की उम्र के लोगों में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन स्ट्रोक है। यह 15 से 59 वर्ष के आयुवर्ग में मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार स्ट्रोक आने के बाद 70 फीसदी मरीज अपनी सुनने और देखने की क्षमता खो देते हैं। साथ ही 30 फीसदी मरीजों को दूसरे लोगों के सहारे की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनमें से 20 फीसदी मरीजों को स्ट्रोक की समस्या होती है।

ब्रेन स्ट्रोक से जुड़ी कुछ खास बातें

डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव बताते है कि मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति बाधित होने या गंभीर रूप से कम होने के कारण स्ट्रोक होता है।

- उनके अनुसार मस्तिष्क के ऊतकों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की कमी होने पर कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं इसलिए समय रहते रोगी को उपचार मिलने से उसे सामान्य स्थिति में लाया जा सकता है, अन्यथा मृत्यु अथवा स्थायी विकलांगता हो सकती है।
- ब्रेन स्ट्रोक को समय पर सही इलाज देकर ठीक किया जा सकता है, लेकिन इलाज में देरी होने पर लाखों न्यूरॉन्स क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और मस्तिष्क के अधिकतर कार्य प्रभावित होने लगते हैं। इससे प्रभावित होने पर व्यक्ति के शरीर का कोई एक हिस्सा सुन्न होने लगता है और उसमें कमजोरी या लकवा जैसी स्थिति होने लगती है। मरीज को बोलने में दिक्कत आ सकती है, झुरझुरी आती है और उसके चेहरे की मांस पेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे लार बहने लगती है।
- देश में हर साल ब्रेन स्ट्रोक के लगभग 15 लाख नए मामले दर्ज किए जाते हैं और यह असामयिक मृत्यु और विकलांगता की एक बड़ी वजह बनता जा रहा है।
- यहां यह भी अपने आप में परेशान करने वाला तथ्य है कि हर 100 में से लगभग 25 ब्रेन स्ट्रोक रोगियों की आयु 40 वर्ष से नीचे है। यह हार्ट अटैक के बाद दुनिया भर में मौत का दूसरा सबसे आम कारण है।
- पीएसआरआई हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ अमित श्रीवास्तव बताते हैं कि समय रहते स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानकर तत्काल उपचार कराने पर कुछ ही समय में यह बीमारी ठीक हो जाती है।
- इसके लक्षणों और तत्काल एहतियाती उपायों की जानकारी देते हुए डॉ. गोयल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का चेहरा एक तरफ से टेढ़ा होने लगे और उसे बोलने में दिक्कत हो तो उस व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा मुस्कुराना चाहिए ताकि चेहरे की मांसपेशियों की कसरत हो।
- इसी तरह अगर एक हाथ कमजोर या सुन्न लगे तो उपचार मिलने से पहले उसे ऊपर नीचे करने की कोशिश करें। उन्होंने बताया कि यदि बोलने में दिक्कत हो तो ऐसे व्यक्ति किसी एक वाक्य को बार बार दोहराएं और उसका सही उच्चारण करने की कोशिश करें।
- वह हिदायत देते हुए कहते हैं कि इनमें से कोई भी लक्षण नजर आने पर मरीज को तत्काल किसी नजदीकी अस्पताल में लेकर जाएं। 'गोल्डन ऑवर' में उपचार मिलने से मरीज को स्ट्रोक से बचाया जा सकता है।
- चिकित्सकों के मुताबिक इसका मुख्य कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्त शर्करा, उच्च कोलेस्ट्रॉल, शराब, धूम्रपान और मादक पदार्थों की लत के अलावा आरामतलब जीवन शैली, मोटापा, जंक फूड का सेवन और तनाव है।
- युवा रोगियों में यह अधिक घातक साबित होता है, क्योंकि यह उन्हें जीवन भर के लिए विकलांग बना सकता है।
- डॉ। राजुल अग्रवाल, सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार पहले यह समस्या बढ़ती उम्र में होती थी वही आज स्ट्रोक का खतरा युवाओ पर भी मंडरा रहा है।
- अनियमित जीवन शैली, खानपान और तनाव स्ट्रोक होने के मुख्य कारणों में से है। इससे बचाव के लिए व्यायाम, उचित खानपान और नशे से दूर रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है।
- साथ ही व्यक्ति को तनाव से बचने की कोशिश करनी चाहिए। तनाव कई बीमारियों की जड़ है जो धीरे धीरे घुन की तरह शरीर को खोखला कर देती है।

सेहत

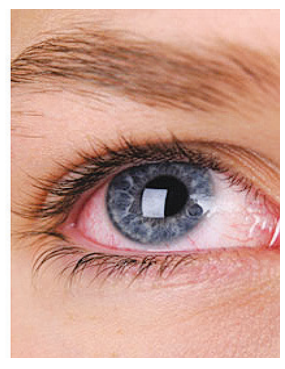
दांत और आंख की हर बीमारी का रामबाण इलाज हैं ये घरेलू उपाय

आज हम आपको बताने वाले हैं कि, कैसे आप अपनी आंख और दांतों का घरेलू तरीको को अपनाकर हर दर्द कर सकते हैं दूर। जैसे कि लोगों में आम दांत में दर्द, कई बार आंखों में जलन जैसी परेशानियां होने लगती हैं, लेकिन इस दर्द से राहत पाने के लिए जो तरीके आज हम आपको बताने वाले हैं वो बेहद लाजवाब हैं। अगर आपकी आंखें कमजोर हैं तो आप डॉक्टरी सलाह के साथ ही कई घरेलू उपायों को भी अपना सकते हैं...

- आंखों की बीमारियों से बचने के लिए आपको रोज सुबह उठते ही सबसे पहले अपने मुंह में पानी भरना है और उसके बाद पंद्रह से ज्यादा बार आंखों को पानी से धोना है। ऐसा करने से आपको आंखों की समस्या से निजात मिलेगी।
- इसके अलावा आप अपने दोनों पैरों के अंगूठों के नखों को तेल से भर दें और फिर हल्की से मसाज करें। इससे आपकी आंखों की रोशनी बढ़ सकती है।

दांतों के दर्द के लिए खास उपाय...





- इसी तरह अगर आपके दांत में दर्द हो रहा है तो आपको नमक और काली मिर्च रामबाण का काम करेगी। थोड़ा नमक लें और उससे आधी मात्रा में काली मिर्च का पाउडर में मिलाकर जरा-सा पानी डालें और पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को उस जगह लगा लें जहां दांत में कीड़ा लगा हो। इससे आपको राहत मिलेगी।
- इसके अलावा आप लहसुन पर थोड़ा सा नमक लगाकर इसे चबाएं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।
- दांतों को स्वस्थ्य रखने के लिए आपको रोज सुबह कच्चा प्याज खाना चाहिए। इससे आपके दांतों को दर्द से आराम मिलेगा। आप दांत में जहां दर्द हो रहा है वहां नींबू भी लगा सकते हैं। इससे आपको फौरन राहत मिलेगी।
- लौंग को दांतों के लिए रामबाण है। अगर आपके दांत में दर्द हो रहा है तो लौंग मुंह में दबा लें आपको फौरन आराम मिलेगा। इसके अलावा आप लौंग का तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी पाना चाहते हैं आंख और दांत के दर्द से राहत तो ये तरीके जरुर अपनाएं।
- लहसुन के दवे को नमक में डुबोकर चबाएं, दांतों के दर्द में आराम होगा। रोज सुबह लहसुन का एक जवा चबाने से दांत मजबूत रहते हैं।
- रोज सुबह एक कच्चा प्याज खाने से भी दांतों के दर्द में आराम मिलता है। डॉक्टरों का मानना है कि हर तीन मिनट पर एक स्लाइस प्याज की खाने से मुंह में मौजूद कीटाणु मर जाते हैं और दर्द में तुरंत आराम मिलता है।
- नींबू विटामिन सी का बड़ा स्रोत है। दांतों के दर्द वाले हिस्से पर नींबू का कतरा लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है।
- दांतों में तेज दर्द से आराम के लिए एक चौथाई चम्मच नमक में एक चुटकी काली मिर्च पाउडर मिलाकर दर्द वाले हिस्से पर लगाएं। आपको तुरंत आराम मिलेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

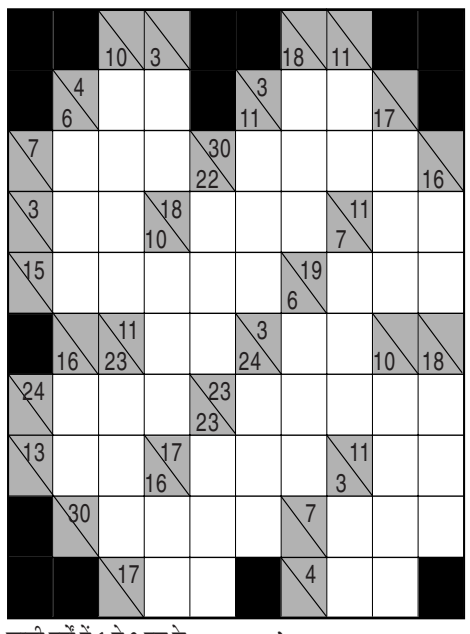
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

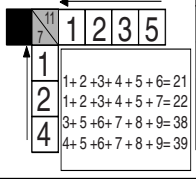
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2636



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2635 का हल

	3 24			30 17			29 3	
11	2	9	16	7	9	6	5	1
8	1	7	17 24	9	8	10 23	8	2
	21	8	7	6	16	9	7	29
		17 10	9	8	24 6	8	9	7
10 3	2	8	7 16	1	6	17	8	9
4	1	3	12	9	3		12 9	5
6	2	4	3 4	1	2	11 3	2	9
	8	1	3	4	4	1	3	
		3	1	2	6	2	4	

हंसी के फव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा-'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था,एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.'दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला-'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला-'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

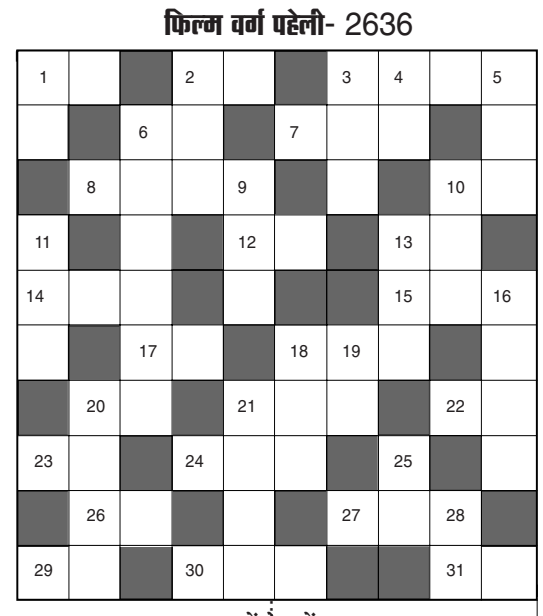
□ □ □

मालिक-'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर-'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2636



बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचेः-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2635

गु	ना	ह		ग	ज	ब		बा	गी
म		व	जू	द		ह्मा	र	जी	त
	द	स		र	फ्ता	र		ग	
दो	स्त		द				श्मा	र	दा
	क	या	म	त		घ			स्ता
क		दें		ह	म	रा	ज		न
ल	ज्जा		खे	ल		ना		बा	
हो		ना		का	श		जं	ग	ल
ना	जा	य	ज		रा	नी		बा	
हो		क		बॉ	बी		जा	न	म

सूडोकु -2636

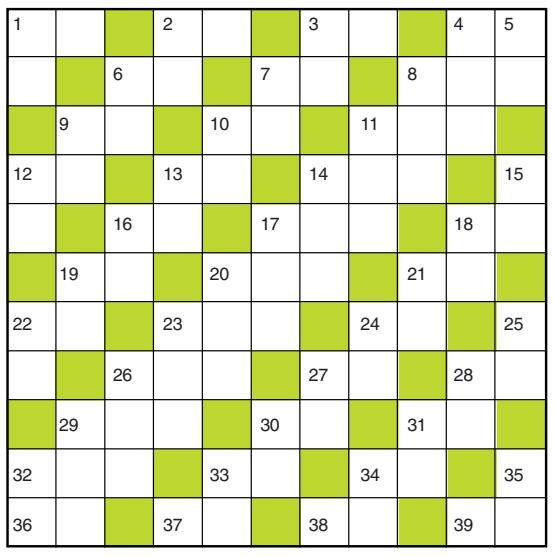
5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1	9	8	6
6					4	5	7	1
		8	9	6		4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2635 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 2636



बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2635 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क			ल	क्ष
स		र	वा			ना	म	क		मा	दा
खा	द			त	र		र	ह	न		म
		म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा			र	स		या	र		र	च	ना
स	दा			च	क्षु		न	भ		रा	ल

संक्षिप्त डायरी

गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार का सख्त निर्देश, लंबित मामलों का जल्द करें निष्पादन

एजेंसी

पटना। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रशाखाओं के लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने और सरकारी कार्यों में देरी व लापरवाही रोकने के सख्त निर्देश दिए। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यों के निष्पादन में अनावश्यक देरी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। को गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान गृह (विशेष शाखा), कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय, गृह (आरक्षी शाखा), अभियोजन निदेशालय तथा सैनिक कल्याण निदेशालय की विभिन्न प्रशाखाओं में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान प्रधान सचिव ने विभिन्न प्रशाखाओं में लंबित संचिकाओं और मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मामलों के निष्पादन में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने कहा कि सरकारी कार्यों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने, आपसी समन्वय बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में गृह विभाग के अपर सचिव कुंदन कुमार, विशेष सचिव क्षत्रनील सिंह, संयुक्त सचिव कमल नयन, संयुक्त सचिव अमलेन्दु कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी आदित्य कुमार झा, संयुक्त सचिव मो. शाहनवाज रिजवानी तथा संयुक्त सचिव नवीन चंद्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रशाखाओं के लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने और सरकारी कार्यों में देरी व लापरवाही रोकने के सख्त निर्देश दिए।

बच्चे की चीख सुनते ही मौत से भिड़ गई मां, बच गई मासूम की जान; खुद करंट की चपेट में आकर तोड़ा दम

एजेंसी

पटना। पटना जिले के बिक्रम प्रखंड के अख्तियारपुर गांव में सामुदायिक भवन के लोहे के दरवाजे में करंट उतरने से 44 वर्षीय गीता देवी की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा जख्मी हो गया। सामुदायिक भवन में सफाई के दौरान बिजली का कटा तार लोहे के दरवाजे के संपर्क में आ गया था। हार के पटना जिले के बिक्रम प्रखंड स्थित अख्तियारपुर गांव में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सामुदायिक भवन के लोहे के दरवाजे में करंट उतरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा जख्मी हो गया। बच्चे की चीख सुनकर उसे बचाने दौड़ी मां ने किसी तरह उसकी जान तो बचा ली, लेकिन खुद करंट की चपेट में आ गईं। मृतका की पहचान सहेंद्र दास की पत्नी गीता देवी (44) के रूप में हुई है।लोहे के दरवाजे में उतर आया था करंट जानकारी के मुताबिक, सामुदायिक भवन में सोमवार को साफ-सफाई का काम चल रहा था। इसी दौरान बिजली का एक कटा हुआ तार लोहे के दरवाजे के संपर्क में आ गया। इससे पूरे दरवाजे में करंट प्रवाहित होने लगा। पास में खेल रहा एक बच्चा अनजाने में दरवाजे के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से बच्चा चीखने लगा। बच्चे की आवाज सुनकर गीता देवी उसे बचाने के लिए दौड़ीं। उन्होंने किसी तरह बच्चे को दरवाजे से अलग कर दिया और उसकी जान बचा ली, लेकिन इस दौरान वह खुद करंट की चपेट में आ गईं। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग आनन-फानन में गीता देवी को बिक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, करंट लगने से जख्मी बच्चे का इलाज चल रहा है।हादसे की सूचना मिलने पर बिक्रम पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया। घटना के बाद अख्तियारपुर गांव में मातम पसरा हुआ है। बच्चे को बचाने के दौरान मां की मौत से परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं।

गैस पाइपलाइन ब्लास्ट में कोचिंग संचालक की मौत, बेटी की फीस जमा कर लौट रहे थे घर; परिवार में मचा कोहराम

एजेंसी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में हुए ब्लास्ट में 45 वर्षीय कोचिंग संचालक श्रीनिवास कुमार सिंह की मौत हो गई। वह अपनी बेटी के स्कूल की फीस जमा कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से महज 200 मीटर पहले हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में हुए धमाके ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में 45 वर्षीय कोचिंग संचालक श्रीनिवास कुमार सिंह की मौत हो गई। वह अपनी बेटी के स्कूल की फीस जमा कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से महज 200 मीटर पहले ही हादसे ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। उनकी मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है। पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पूरे मोहल्ले में शोक के साथ घटना को लेकर दहशत का माहौल है। श्रीनिवास कुमार सिंह एक सेवानिवृ सब इंस्पेक्टर के बेटे थे और परिवार के बेहद प्रिय सदस्य थे। वह कोचिंग चलाने के साथ घर की जिम्मेदारियां भी संभालते थे। परिजनों के मुताबिक, घर के छोटे-बड़े कामों से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई तक की जिम्मेदारी वह खुद उठाते थे। रोजमर्रा के काम निपटाने के बाद शाम को कोचिंग में बच्चों को पढ़ाते थे। सोमवार को भी वह अपनी बेटी की स्कूल फीस जमा करने गए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि घर लौटते समय रास्ते में परिजनों ने लापरवाही को बताया हादसे की वजह श्रीनिवास की मौत के बाद परिजनों ने घटना को बड़ी लापरवाही का परिणाम बताया है। उनका कहना है कि सोमवार को हुई इस घटना ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। मृतक के भाई ने बताया कि श्रीनिवास परिवार की हर जरूरत का ध्यान रखते थे। घर के सदस्यों की देखभाल से लेकर उनकी जिम्मेदारियां निभाने तक, हर काम में वह आगे रहते थे। उन्होंने सवाल उठाया कि अब परिवार उनकी कमी कैसे पूरी कर पाएगा। श्रीनिवास की पत्नी इस हादसे से सदमे में हैं। रोते हुए उन्होंने कहा कि परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया है। अब घर और परिवार की जिम्मेदारियां कौन संभालेगा, यह समझ नहीं आ रहा। उनके मुताबिक, श्रीनिवास कोचिंग चलाने से पहले घर के सभी काम करते थे और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा ध्यान रखते थे। शाम को कोचिंग में पढ़ाने जाते थे। पत्नी ने कहा कि इस हादसे से परिवार कभी उबर नहीं पाएगा। परिजनों के मुताबिक, श्रीनिवास बेटी की स्कूल फीस जमा कर-के अपनी स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से करीब 200 मीटर पहले गोबरसही रोड पर गैस पाइपलाइन में ब्लास्ट हो गया और वह हादसे की चपेट में आ गए। उनकी मौत के बाद से परिवार ही नहीं, पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर दहशत बनी हुई है।

नगरपालिका अधिनियम में बड़े बदलाव, मेयर को ज्यादा अधिकार; नक्शा और लाइसेंस की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

एजेंसी

पटना। बिहार सरकार ने बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 में संशोधन करते हुए नगर निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था में कई बदलाव किए हैं। नए अध्यादेश के तहत मेयर को सशक्त स्थायी समिति की अध्यक्षता और आपात स्थिति में बिना पूर्व बिहार सरकार ने राज्य के नगर निकायों की कार्यप्रणाली में बदलाव करते हुए बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 में संशोधन किया है। नए अध्यादेश के जरिए नगरपालिकाओं के प्रशासनिक अधिकारों, विज्ञापन व्यवस्था, व्यावसायिक गतिविधियों और भवन निर्माण की स्वीकृति से जुड़े प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य नगर निकायों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाना और लाइसेंस सहित विभिन्न स्वीकृतियों की प्रक्रिया को ऑनलाइन करना है। संशोधन के बाद नगरपालिका में मेयर की भूमिका पहले से अधिक प्रभावी होगी। नगरपालिका की कार्यपालक शक्तियां



सशक्त स्थायी समिति में निहित रहेंगी और मेयर इस समिति के अध्यक्ष होंगे। मेयर की अध्यक्षता में होगी सशक्त स्थायी समिति, महीने में दो बैठकें जरूरी नए अध्यादेश के अनुसार, मेयर सशक्त स्थायी समिति के अध्यक्ष होंगे। नगरपालिका की सभी कार्यपालक शक्तियां इसी समिति में निहित रहेंगी। मेयर को हर महीने समिति की दो बैठकें बुलानी होंगी। सामान्य परिस्थितियों में ये बैठकें महीने के पहले और तीसरे सोमवार को आयोजित की जाएंगी। यदि निर्धारित दिन अवकाश रहता है, तो बैठक के लिए दूसरी तारीख तय की जा सकेगी। अगर मेयर किसी कारण से बैठक बुलाने में असमर्थ रहते हैं, तो उप मेयर समिति की बैठक आमंत्रित कर सकेंगे। इस व्यवस्था के जरिए नगर निकायों के प्रशासनिक कामकाज और निर्णय लेने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने का प्रावधान किया गया है। आपात स्थिति में बिना पूर्व अनुमति काम कराने का अधिकार अध्यादेश में मेयर को आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष अधिकार भी दिए गए हैं। अब संकट की स्थिति में मेयर नगरपालिका बोर्ड या समिति की पूर्व अनुमति के बिना भी जरूरी काम कराने का निर्देश दे सकेंगे। हालांकि, ऐसे कार्यों की जानकारी 15 दिनों के भीतर संबंधित समिति या बोर्ड को देना अनिवार्य होगा। वहीं, निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। मुख्य नगरपालिका पदाधिकारी को नगरपालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया है। इसके तहत नगर निकाय के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी मुख्य नगरपालिका पदाधिकारी के अधीन काम करेंगे। भवन का नक्शा पास कराने की प्रक्रिया होगी आसान भवन निर्माण से जुड़ी स्वीकृतियों को आसान बनाने के लिए नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत भवन निर्माण योजना स्वतः अनुमोदित हो सकेगी या सक्षम प्राधिकारी से इसकी मंजूरी ली जा सकेगी। इससे भवनों के नक्शे की स्वीकृति की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। अध्यादेश के मुताबिक, सूचीबद्ध वास्तुविदों को सरकार के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही काम करना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भवन योजना से संबंधित सभी जरूरी तकनीकी मंजूरी और अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए गए हैं। दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लाइसेंस ऑनलाइन व्यावसायिक गतिविधियों को आसान बनाने के लिए दुकानों और अन्य गैर-आवासीय प्रतिष्ठानों के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जाएगी। इससे कारोबारी डिजिटल माध्यम से लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे और उन्हें स्वीकृति प्राप्त करने में सहूलियत होगी। नए प्रावधानों के तहत निर्धारित समय सीमा में लाइसेंस शुल्क जमा नहीं करने पर हर महीने अधिकतम एक प्रतिशत तक दंड लगाया जा सकेगा। हालांकि, कुल दंड की राशि किसी भी स्थिति में वार्षिक लाइसेंस शुल्क से अधिक नहीं होगी। विज्ञापन टैक्स की जगह लगेगा विज्ञापन शुल्क अध्यादेश में विज्ञापन से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया गया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद विज्ञापन पर कर लगाने के अधिकारों में हुए बदलाव के मद्देनजर अब विज्ञापन टैक्स की जगह विज्ञापन शुल्क लिया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों, दीवारों, होर्डिंग और बैनर पर विज्ञापन लगाने के लिए लाइसेंस, नियमन और निगरानी की व्यवस्था होगी। इसके अलावा विज्ञापन से जुड़े ढांचों में सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और रखरखाव के निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। इन मानकों का उल्लंघन करने वाली संस्था या व्यक्ति पर अधिकतम पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकेगा। बिना शुल्क विज्ञापन लगाने पर दो से पांच गुना तक जुमार्ना नए नियमों में बिना निर्धारित शुल्क दिए विज्ञापन लगाने पर अलग-अलग परिस्थितियों के हिसाब से जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। सामान्य मामलों में बिना शुल्क विज्ञापन लगाने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था से दोगुना जुमार्ना वसूला जाएगा।

पटना में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा को रॉटविलर ने काटा, जमीन मालिक पर हमला कराने का आरोप



एजेंसी

पटना। पटना के उत्तरी मंदिरी में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा विकास कुमार सिंह को पालतू रॉटविलर कुत्ते ने काट लिया। दारोगा ने जमीन मालिक पर हमला कराने का आरोप लगाया है, जबकि जमीन मालिक ने आरोपों को गलत बताया है। बिहार की राजधानी पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के उत्तरी मंदिरी में विवादित जमीन की जांच करने पहुंचे दारोगा पर पालतू कुत्ते से हमला कराने का आरोप लगा है। कुत्ते ने दारोगा विकास कुमार सिंह के बाएं हाथ में काट लिया, जिससे वे जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। प्राथमिकी के अनुसार, 24 अक्टूबर को दारोगा को नवीन सिन्हा पथ स्थित सुधा बूथ के पास विवादित जमीन पर निर्माण कार्य होने की सूचना मिली थी। कोर्ट ने इस जमीन पर निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था। सूचना मिलने के बाद दारोगा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चुनाव जिस पर पूरी दुनिया की नजर है: लड़ाई केवल कांग्रेस में बहुमत की नहीं, नतीजों का असर कई देशों पर पड़ सकता है दारोगा का आरोप है कि जमीन मालिक संजय कुमार उर्फ पिंकू साव ने अपने पालतू रॉटविलर कुत्ते को उन पर हमला करने का इशारा किया। इसके बाद कुत्ते ने उनके बाएं हाथ में काट लिया,हो गए।

पिता के बिजनेस पार्टनर ने किशोरी को किया ब्लैकमेल, शादी तय होते ही वायरल किए

एजेंसी

पटना। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में पिता के बिजनेस पार्टनर पर करीब 17 साल 10 महीने की किशोरी के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगा है। आरोपी राजीव रंजन का पीड़िता के परिवार के साथ वर्ष 2022 से पशु आहार निर्माण इकाई में व्यावसायिक साझेदारी थी। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र के एक गांव से रिश्ते और भरोसे को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पिता के बिजनेस पार्टनर ने कारोबारी संबंधों का फायदा उठाकर परिवार की करीब 17 साल 10 महीने की किशोरी को अपने जाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने किशोरी के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। बाद में इन्हीं के जरिए उसे ब्लैकमेल कर लगातार प्रताड़ित करने लगा। मामला तब और गंभीर हो गया, जब किशोरी का विवाह तय हुआ। आरोप है कि आरोपी ने शादी



तुड़वाने और परिवार को बदनाम करने के इरादे से लड़के वालों के इलाके का एक सोशल मीडिया ग्रुप बनाया और उसमें किशोरी के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो साझा कर दिए। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बिजनेस पार्टनर होने के कारण घर में था आना-जाना पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान नगरनौसा थाना क्षेत्र के बलधा-सरैया गांव निवासी 33 वर्षीय राजीव रंजन के रूप में हुई है। पीड़िता की मां और आरोपी के बीच वर्ष 2022 से व्यावसायिक साझेदारी थी। दोनों पशु आहार निर्माण इकाई चलाते थे। जिस जमीन पर प्लांट स्थापित था, वह आरोपी के नाम पर थी, जबकि प्लांट का प्रबंधन पीड़िता के परिवार के पास था। कारोबार के सिलसिले में आरोपी का परिवार के घर लगातार आना-जाना लगा रहता था। आरोप है कि इसी कारोबारी नजदीकी का फायदा उठाकर राजीव रंजन ने परिवार की किशोरी से जान-पहचान बढ़ाई और धीरे-धीरे उसे अपने झांसे में ले लिया। इसके बाद उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और कथित तौर पर उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। आरोप है कि आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाने के बाद आरोपी किशोरी को लगातार ब्लैकमेल करने लगा। वह सामग्री सार्वजनिक करने और परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित करता था। डर और लोकलाज के कारण किशोरी लंबे समय तक इस बारे में किसी को कुछ नहीं बता सकी। शादी तय होते ही बनाया सोशल मीडिया ग्रुप मामले का खुलासा तब हुआ, जब किशोरी का विवाह तय हो गया। आरोप है कि इसकी जानकारी मिलते ही राजीव रंजन ने शादी तुड़वाने और परिवार को बदनाम करने की साजिश रची। उसने उस इलाके के लोगों के लिए एक स्थानीय सोशल मीडिया ग्रुप बनाया, जहां किशोरी की शादी तय हुई थी। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर उस ग्रुप में किशोरी के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो साझा कर दिए।

प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों का बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। पटना में आज राजनीतिक गतिविधियां तेज रहेंगी। भाजपा अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की पुण्यतिथि पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। वहीं, राजद सांसद सुधाकर सिंह बिहार पुलिस के बड़े अधिकारी के खिलाफ बड़ा खुलासा करेंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नए अध्यक्ष का भी पटना में स्वागत होगा। इसके अलावा किन इलाकों में बिजली गुल रहेगी? पटना में आज का दिन राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से अहम रहने वाला है। भारतीय जनता पार्टी अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसका शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया करेंगे। वहीं शिक्षक, दरोगा, रेडियो ऑपरेटर, सिपाही और बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी आज बड़ा प्रदर्शन करेंगे। पिछले एक महीने से यह लोग गर्दनीबाग में आंदोलन कर रहे हैं। 11 बजे गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास तक मार्च के लिए निकलेंगे। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह बिहार एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन को लेकर प्रेस वार्ता करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नवनियुक्त अध्यक्ष राहुल कुशवाहा का पटना में स्वागत किया जाएगा। दूसरी ओर, परियोजना कार्य के कारण शहर के कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। भारतीय जनता पार्टी आज अपने वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि मनाएगी। इस मौके पर पार्टी की ओर से बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया करेंगे। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। सुबह 11 बजे: गांधी मैदान के पास जुटेंगे बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी गांधी मैदान में बाद अपनी अपनी मांगों को लेकर कई प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थी प्रदर्शन करेंगे। इनमें शिक्षक, दरोगा, रेडियो ऑपरेटर, सिपाही और बेल्ट्रॉन के अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने मार्च का एलान किया है। गांधी मैदान 11 बजे मार्च निकालेंगे। मुख्यमंत्री आवास तक जाने की योजना है। दोपहर 12 बजे: एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन पर सुधाकर सिंह का बड़ा खुलासा बिहार एसटीएफ के डीजी कुंदन कृष्णन को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह लगातार सवाल उठाते रहे हैं। अब वह उनके खिलाफ बड़ा खुलासा करने जा रहे हैं। इसके लिए सुधाकर सिंह ने आज दोपहर 12 बजे प्रेस वार्ता बुलाई है। माना जा रहा है कि इस दौरान वह कुंदन कृष्णन को लेकर अपनी बात रखेंगे और कई अहम मुद्दों पर जानकारी साझा करेंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के यूथ विंग के नवनियुक्त अध्यक्ष राहुल कुशवाहा आज पटना पहुंचेंगे। उनके आगमन पर पार्टी की ओर से स्वागत की तैयारी की गई है। दोपहर 1:30 बजे पार्टी कार्यालय में स्वागत समारोह आयोजित होगा। इस दौरान राहुल कुशवाहा यूथ विंग की गतिविधियों, संगठन विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना के बारे में जानकारी साझा करेंगे।

ई-बसों का नेटवर्क बढ़ाने की तैयारी, पांच डिविजन में बनेंगे चार्जिंग स्टेशन; पूर्णिया में सुविधा शुरू

एजेंसी

पटना। बिहार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने के लिए बीएसआरटीसी छह डिविजनों में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार कर रहा है। पूर्णिया में चार्जिंग स्टेशन की सुविधा शुरू हो चुकी है, जबकि पटना, गयाजी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में नवंबर के अंत तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। बिहार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने और यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा देने के लिए चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तेजी से तैयार किया जा रहा है।इनमें से पूर्णिया डिविजन में चार्जिंग की सुविधा शुरू हो चुकी है, जबकि पटना, गयाजी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में निर्माण कार्य नवंबर के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पटना और गयाजी में 15 नवंबर तक तैयार होंगे चार्जिंग स्टेशन परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने बताया कि पटना के फुलवारीशरीफ और गयाजी बस डिपो में चार्जिंग स्टेशन का निर्माण 15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। पटना में पहले से ही एक चार्जिंग स्टेशन काम कर रहा है। इसके अलावा बैरिया बस स्टैंड पर भी नया ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाया जा



रहा है। मंत्री ने बताया कि मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर में भी चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य नवंबर के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इसके बाद इन डिविजनों में भी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी। मंत्री दामोदर रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत बिहार को कुल 400 इलेक्ट्रिक बसें मिलने वाली हैं। इनमें से 72 बसें राज्य को मिल चुकी हैं। फिलहाल इन बसों का परिचालन राजधानी पटना के विभिन्न मार्गों पर किया जा रहा है। अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने के लिए प्रत्येक डिविजन के डिपो में 50 ई-बसों की क्षमता के अनुसार आठ-आठ चार्जिंग प्वाइंट लगाए जा रहे हैं।

पति का नाम होने पर भी जाति प्रमाणपत्र मान्य, पटना हाईकोर्ट का महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति का आदेश

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि विवाहित महिला के जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं माना जा सकता। विवाहित महिला अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पटना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं हो जाता। अदालत ने कहा कि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है और प्रमाणपत्र केवल इसकी पुष्टि करने वाला दस्तावेज है। न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की अपील खारिज



करते हुए अनुसूचित जाति महिला वर्ग की अभ्यर्थी डॉ. सुषमा शरण को सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। बीपीएससी की अपील खारिज, नियुक्ति का निर्देश न्यायाधीश मोहित कुमार शाह और न्यायाधीश सौरेंद्र पांडेय की खंडपीठ ने एकलपीठ के पूर्व फैसले को सही ठहराते हुए बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज कर दी। अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह डॉ. सुषमा शरण को अनुसूचित जाति आरक्षण के आधार पर सहायक प्राध्यापक पद पर तत्काल नियुक्ति प्रदान करे। खंडपीठ ने कहा कि जब भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होना अनिवार्य नहीं किया गया था, तो इस आधार पर सहायक प्राध्यापक के 74 पदों पर होनी थी भर्ती यह मामला डॉ. सुषमा शरण की उम्मीदवारी से जुड़ा है। उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में सहायक प्राध्यापक पद के लिए अनुसूचित जाति महिला वर्ग में आवेदन किया था। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 74 पदों पर नियुक्ति होनी थी। इनमें से 13 पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित थे। इन 13 पदों में पांच पद महिला अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित किए गए थे। डॉ. सुषमा शरण का साक्षात्कार 28 फरवरी 2018 को हुआ था। इसके बाद आयोग ने 8 अगस्त 2019 को अंतिम चयन परिणाम जारी या, लेकिन उसमें उनका नाम शामिल नहीं था। पिता की जगह पति का नाम होने पर सामान्य वर्ग में कर दिया था शामिल बिहार लोक सेवा आयोग ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि डॉ. सुषमा शरण के जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज था। आयोग के अनुसार, वर्ष 2018 में नोटिस जारी कर उन्हें पिता के नाम वाला संशोधित जाति प्रमाणपत्र जमा करने का अवसर भी दिया गया था। आयोग का कहना था कि सही दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण उनकी उम्मीदवारी को अनुसूचित जाति वर्ग के बजाय सामान्य यानी अनारक्षित वर्ग में शामिल कर दिया गया। पिता और पति दोनों अनुसूचित जाति वर्ग से वहीं, महिला अभ्यर्थी की ओर से अदालत में दलील दी गई कि भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होने की कोई अनिवार्यता नहीं थी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता और पति दोनों ही अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध रखते हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जाति का निर्धारण जन्म से होता है और प्रमाणपत्र इसका प्रमाण मात्र है।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर - न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन - रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं। उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर - रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब - रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज - रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका - भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी - यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला



नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट - अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत, शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन - इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन्स की टीम : अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए भारत ए की टीम : अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू - ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्यूस्टन में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।

वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार - मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल - इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक - इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला - मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत - आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया - साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया - मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन - टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे - वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन - आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप - वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द



नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।

पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा - न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

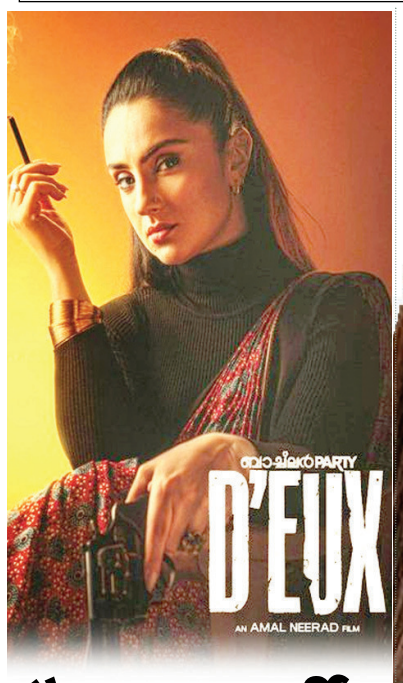
कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।

'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।





बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री

निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।

फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।' 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति

कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'



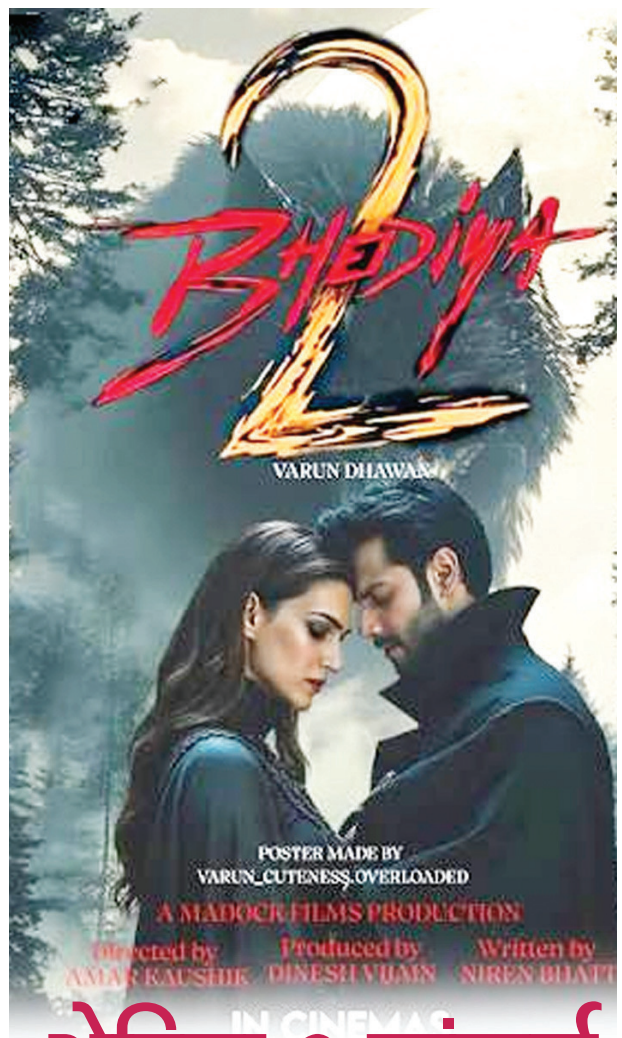
मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'

मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।





भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था। वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा।

वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।

वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी।

मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'

'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।

गुलाबी मौसम में जरा बच के...



मौसमी बदलाव की आहट आ चुकी है। सुबह-शाम ठंड और प्रदूषण वाली हल्की धुंध भी असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही शुरू हो गई हैं सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं। लापरवाही के चलते किसी को सर्दी-जुकाम या चेस्ट कंजेशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो कुछ लोग ठंड की वजह से जॉगिंग बंद करने से परेशान हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस बदलते मौसम में फिट रख सकती है

घर पर करें वॉर्मअप

अगर आपको डायबीटीज, अस्थमा या दिल की बीमारी है तो सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय कोहरे के साथ प्रदूषण मिलकर पूरे वातावरण में फैल जाता है। इस दौरान बाहर निकलने से सांस के जरिए प्रदूषण फेफड़ों तक पहुंचकर कंजेशन बढ़ा सकता है। इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है या अस्थमा का अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है।



ऐसे में या तो धूप खिलने और आसमान साफ होने के बाद जॉगिंग या एक्सरसाइज के लिए बाहर निकलें या घर में ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस मौसम में दो तरह की एक्सरसाइज आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

1. कॉर्डियोवेस्कुलर वर्कआउट

सर्दियों में शरीर में जमने वाले एक्स्ट्रा फैट का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है। एम्स में मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रफेसर डॉ. ए.बी. डे का कहना है कि यह फैट दिल की धड़कनों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में दिल से जुड़ी बीमारियों की आशंका इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। वजन बढ़ने की समस्या भी इसी मौसम में ज्यादा होती है। इस तरह की परेशानी से निबटने के लिए आप घर पर ही कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग से जुड़ी आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसमें आपको 20 मिनट या इससे थोड़ा ज्यादा समय तक ऐसे व्यायाम करने होंगे, जो आपके दिल की धड़कनों को सामान्य से काफी तेज कर दें। घर पर आजमाई जाने वाली कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग के तहत अपनी जगह पर ही खड़े होकर जॉगिंग कर सकते हैं, रस्सी कूद सकते हैं, लगातार 20 से 25 बार उछल सकते हैं, घर की सीढ़ियों पर दो-तीन बार तेजी से ऊपर-नीचे कर सकते हैं। आप इनमें से हर एक को आजमा सकते हैं। हर तरह की एक्सरसाइज को 5-5 मिनट के लिए किया जा सकता है। ये तरीके आपके बाहर निकलने की परेशानी को भी दूर कर देंगे, साथ ही आपके दिल को हमेशा जवां रखेंगे।

2. मांसपेशियों व जोड़ों से जुड़ा वर्कआउट

सर्दियों में मांसपेशियों का जकड़ जाना भी आम समस्या है। इसके अलावा, इस मौसम में जोड़ों के दर्द की परेशानी भी देखने को मिलती है। इसके लिए घर पर ही कुछ खास तरह की एक्सरसाइज के जरिए इन्हें दूर किया जा सकता है। मांसपेशियों के जकड़ जाने पर उन्हें व्यायाम के जरिए ही आराम पहुंचाया जा सकता है। पुशअप और पुलअप मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने का आसान तरीका है। इसके लिए कहीं भी बाहर निकलने की जरूरत नहीं है। इसके साथ घर पर ही एक्सरसाइज के कुछ खास उपकरणों के जरिए भी मांसपेशियों की जकड़न को दूर किया जा सकता है। डंबल से वॉर्मअप किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए आपको व्यायाम के लिए अलग से वक्त भी नहीं निकालना है। काम करते हुए भी कुछ मिनट का ब्रेक लें और बैठे-बैठे ही हाथ और पैरों के जोड़ को घुमाते रहें।

अपनाएं ये टिप्स

- कपड़ों का खास ध्यान रखें, अगर सुबह बाहर निकलते हैं तो गर्म कपड़े साथ रखें ताकि ठंड लगने पर उनका इस्तेमाल कर सकें।
- सुबह देर से घर से निकलने वाले अक्सर लापरवाही का शिकार होते हैं। देर शाम घर लौटते वक्त मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन दिन की गर्मी देखकर आप गर्म कपड़े आपने साथ नहीं रखते। ऐसी गलती न करें।
- अगर डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अस्थमा जैसी समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर मौजूदा मौसम के हिसाब से दवाओं के डोज आदि की जानकारी लें और दवाएं नियमित लें।
- बाइक चलाते वक्त विंड शीटर और मफलर का इस्तेमाल करें, क्योंकि सीने और नाक-कान के जरिए ठंडी हवा शरीर तक पहुंचने से समस्या बढ़ती है।
- बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता युवा लोगों के मुकाबले कम होती है।
- ठंड में आपको प्यास का अहसास कम होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके शरीर को कम पानी की जरूरत होती है। ठंड में भी खूब सारा पानी पिएं।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। वायरल बेहद संक्रामक होता है। साफ-सफाई में हल्की-सी लापरवाही होने पर भी यह तेजी से एक-दूसरे तक फैलता है।



कैसा हो भोजन

भोजन हमारी मूल आवश्यकता है। इसके बगैर अधिक दिनों तक जीवित नहीं रहा जा सकता है, लेकिन वह कब, कैसे और कितना करना चाहिए, इस बारे में आमजनों को जानकारी नहीं है। परिणामस्वरूप उन्हें अपच, गैस, एसिडिटी कब्ज आदि की शिकायत होने लगती है। भोजन ऐसा हो जो शरीरी को पोषण प्रदान करें।

भोजन ऐसा हो जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश हो यानी प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज, लवन तथा रेशा। भोजन में सलाद का होना जरूरी है, जिसमें ककड़ी, टमाटर, प्याज, चुकंदर, पत्तागोभी, मूली, गाजर आदि हो।

भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां अवश्य हो जैसे पालक, मेथी, बथुआ, मूली आदि इसके अलावा मौसमी सब्जियां, जैसे गिलकी, तुरई, भिंडी, पत्ता गोभी, फूल गोभी, लौकी, कद्दू, गवारफली, मटर, टिंडा, हरा चना, आलू, अरबी आदि।

दालों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, जिसमें मूंग, तुअर, चना, मसूर की दाल शामिल है। उड़द की दाल का सेवन कम करें।



कब न करें

जब मन खिन्न, उदास हो
जब किसी की बीमारी या मौत का सदमा लगा हो
जब आप गुस्से और तनाव में हों
जब आपके घर में पारिवारिक कलह मच रहा हो
जब भूख न हो।

कैसे करें

जल्दबाजी में नहीं, धैर्यपूर्वक करें
खड़े होकर नहीं, बैठकर भोजन करें
भोजन को ठीक से चबाकर करना चाहिए
भोजन के दौरान अधिक बतियाएं नहीं
भोजन करते समय अपना टीवी, मोबाइल फोन बंद रखें
भोजन करते समय अखबार या पत्रिकाएं न पढ़ें
भोजन को शांतभाव और प्रसन्नचित होकर करना चाहिए
एक हाथ से भोजन करें, दोनों हाथ जूठे करना ठीक नहीं
लेटे-लेटे भोजन करने की प्रवृति ठीक नहीं।
भोजन के पहले यह करें
हाथ, मुंह और पैर अच्छे से धोएं
सुविधाजनक कपड़े पहनें
यदि भोजन के पहले कोई दवा गोली लेना हो तो वह लें
यदि शौच की हाजत लगे तो निवृत हो लें
भोजन से ठीक पहले यह न करें
चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें
डटकर पानी न पिएं।

कितना करें

भूख से थोड़ा कम खए

भोजन की जरूरत शारीरिक श्रम के अनुसार कम अधिक हो सकती हैं।

बढ़ती आयु के किशोरों को अधिक तथा प्रौढों व वृद्धों को कम भोजन की आवश्यकता होती है।

कितना ही पसंदीदा भोजन क्यों न हो जरूरत से ज्यादा न करें

खाने के लिए जीने की बजाय जीने के लिए खाने का सिद्धांत अपनाएं

सप्ताह में एक दिन उपवास रखें

सर्दियों में पाचन क्रिया तेज रहती है, लेकिन गर्मी व बारिश में मंद पड़ जाती है

भोजन करने के दौरान किसी अप्रिय प्रसंग को न छेड़ें

भोजन जैसा भी बना हो उसे स्वीकार करें

भोजन के दौरान उत्तेजित न हों

थाली को छोड़कर कोई काम निपटाने न जाएं

भोजन के बाद यह करें

मूत्र त्याग के लिए जाएं

दिन के भोजन के बाद 20 मिनट विश्राम करें

रात्रि भोजन के बाद 100 कदम टहले

भोजन के एक घंटे बाद पानी पिएं

भोजन के बाद यह न करें

भोजन के तुरंत बाद ढेर सारा पानी न पिएं

भोजन के तुरंत बाद कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, आइस्क्रीम आदि का सेवन न करें।

भोजन के तुरंत बाद अधिक परिश्रम वाले कार्य न करें

भोजन करते ही शौच के लिए न जाएं

भोजन के तुरंत बाद कसरत या व्यायाम वर्जित है।

कंप्यूटर पर काम करते वक्त आंखों को दें थोड़ा आराम



आज कंप्यूटर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। हर काम हमें कंप्यूटर पर ही करना होता है। लेकिन, कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने का असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इसकी वजह से कई बार हमारी आंखें लाल और थकी हुई लगती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों की रोशनी पर भी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि कंप्यूटर पर काम करते समय हम उसकी ब्राइटनेस को अडजस्ट करें, जिससे उसका ज्यादा असर हमारी आंखों पर न हो। आइए आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपनी आंखों का ख्याल रख सकते हैं-

आंखों के लिए लें ब्रेक - कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार नजरें गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। तो इसके लिए जरूरी है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेते रहें। कुछ देर के लिए अपनी नजरें कंप्यूटर से हटाकर दूर किसी चीज पर केंद्रित करें या फिर आप यूं ही कुछ देर के लिए अपनी सीट से उठकर घूमने जा सकते हैं। यह प्रॉसेस 20-30 मिनट के अंतराल पर कीजिए।

पलकें झपकाते रहें- पलकों को लगातार झपकाते रहना आंखों को तरो-ताजा बनाए रखने और उस पर पड़ने वाले दबाव को कम करने का कारगर तरीका है। कंप्यूटर पर काम करने वालों को हर तीन-चार सेकेंड में अपनी पलकों को झपकाते रहना चाहिए। दरअसल हमारी आंखों में एक द्रव्य होता है, जो पलकों के झपकाने से बनता है। लेकिन अगर आप बिना पलक झपकाए काम करते रहेंगे तो यह द्रव्य सूख सकता है और इससे आंखों की रोशनी जा सकती है।

कंट्रास्ट कम करना रहेगा बेहतर- अगर आपकी आंखों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ रहा है, तो एक बार अपने कंप्यूटर की ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट को भी अडजस्ट करके देखिए। इससे भी आपकी आंखों को फायदा होगा। कंप्यूटर की ब्राइटनेस न तो ज्यादा और न ही कम रखें।

कंप्यूटर फ्रेंडली बनें - ध्यान रखना होगा कि वर्कप्लेस पर रोशनी पर्याप्त है या नहीं। आपको एसी के नीचे बैठने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आंखों की नमी कम हो सकती है और आंखें रूखी हो सकती हैं।

इन्हें आजमाएं, कब्जियत दूर करें

हर एक रोगी आहार-विहार में असंयम के कारण कब्ज का शिकार होता है। कब्ज से ही दुनिया-भर की बीमारियाँ होती हैं। अपना आहार विहार सुसंयमित कर लें तो कभी कोई बीमारी नहीं होगी। असंयम के कारण कभी कोई रोग हो भी जाये तो प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उसका धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। ऐसा कोई रोग नहीं जो प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा नहीं किया जा सकता हो। प्राकृतिक चिकित्सा प्राणीमात्र के लिए वरदान है। अत- पहले संयम से रहकर कब्ज मिटाइए।



पहला प्रयोग - रात का रखा हुआ सवा लीटर पानी हर रोज सुबह सूर्योदय से पूर्व बासी मुँह पीने से कभी कब्जियत नहीं होगी तथा अन्य रोगों से सुरक्षा होगी।

दूसरा प्रयोग- रात्रि में पानी के साथ 2 से 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से अथवा 3-4 तोला (40-50 ग्राम) मुनक्का (काली द्राक्ष) को रात्रि में ठण्डे पानी में भीगोकर सुबह उन्हें मसलकर, छानकर थोड़े दिन पीने से कब्जियत मिटती है।

तीसरा प्रयोग- एक हरड़ खाने अथवा 2 से 5 ग्राम हरड़ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज मिटती है।

चौथी प्रयोग - गुडुच का सेवन लंबे समय तक करने से कब्ज के रोगी को लाभ होता है।

पाँचवाँ प्रयोग कड़ा मल होने व गुदाविकार की तकलीफ में जात्यादि तेल या मलहम को शौच जाने के बाद अंगुली से गुदा पर लगायें। इससे 7 दिन में ही रोग ठीक हो जायगा। साथ में पाचन ठीक से हो ऐसा ही आहार लें। छोटी हरड़ चबाकर खायें।

छठा प्रयोग- एक गिलास सादे पानी में एक नींबू का रस एवं दो-तीन चम्मच शहद डालकर पीने कब्ज मिट जाता है।

सातवाँ प्रयोग- एक चम्मच सौंफ का चूर्ण और 2-3 चम्मच गुलकन्द प्रतिदिन दोपहर के भोजन के कुछ समय पश्चात् लेने से कब्ज दूर होने में सहायता मिलती है।

सावधानी - कब्ज सब रोगों का मूल है। अत- पेट को सदैव साफ रखना चाहिए। रात को देर से कुछ भी न खायें तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। मैदे से बनी वस्तुएँ एवं दही अधिक न खायें।